राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 21 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-355 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैदानी इलाकों में गर्मी की आहट, 5 साल में पहली बार जनवरी में तापमान 26 डिग्री के पार

नई दिल्ली।

कड़ाके की ठंड के बाद अब उत्तर भारत में धीरे धीरे मौसम बदलने लगा है। बीते दिन दिल्ली का तापमान अचानक से तेजी से बढ़ा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री दर्ज किया गया जो जनवरी के लिहाज से बहुत अधिक था। मौसम विभाग के अनुसार 2020 से 2025 के बीच पहली बार दिल्ली का तापमान 26 डिग्री अधिक जनवरी में ही पहुंच गया। इससे पहले 21 जनवरी 2019 को अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री रहा था। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में बीते दिन अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री रहा, जो सामान्य से 6.5 डिग्री अधिक था। न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री दर्ज किया गया था, यह सामान्य से 1.6 डिग्री अधिक रहा। तेज धूप के कारण नमी का स्तर घटकर 48 प्रतिशत पर आ गया, जबकि अधिकतम नमी 100 प्रतिशत रही। पूर्वानुमान के अनुसार, सोमवार को भी तेज धूप रहेगी और अधिकतम तापमान 26 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक रह सकता है। 21 जनवरी को अधिकतम तापमान 25 और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहने का अनुमान है। 22 और 23 जनवरी को बादल छाने और हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। इन दिनों अधिकतम तापमान क्रमशः 22 और 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 और 12 डिग्री तक रह सकता है। 24 और 25 जनवरी को अधिकतम तापमान 19 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9-10 डिग्री तक रहने की संभावना है।

शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि में श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले में स्थित स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान -7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पिछले दिन के -8.2 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले थोड़ा बेहतर था, हालांकि यह अभी भी सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना है। रविवार को राज्य के अधिकांश इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन से छह डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। ठंड में कमी आने से लोगों को राहत मिली है। शिमला और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के कई शहरों में मौसम साफ रहने की संभावना है। कोहरे के बीच हल्की धूप भी दिखाई दे सकती है, लेकिन हवाओं के चलते गलन से राहत मिलने की उम्मीद कम है। जनवरी में पहली बार राज्य में कोहरे का कोई अलर्ट जारी नहीं हुआ है। रविवार को इटावा प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जबकि वाराणसी सबसे गर्म रहा।

तेलंगाना में पंच केदार और बद्रीनाथ धाम मंदिर निर्माण पर आपत्ति

-बद्री केदार मंदिर समिति ने दोनों संस्थाओं को भेजा नोटिस, 15 दिन में मांगा जवाब

देहरादून।

तेलंगाना में पंच केदार और बद्रीनाथ धाम मंदिर निर्माण पर बद्री केदार मंदिर समिति ने आपत्ति जताई है। बद्री केदार मंदिर समिति की तरफ से श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट और उत्तराखंड कल्याणकारी संस्था को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बद्री केदार के नाम और दोनों धाम के फोटो के इस्तेमाल करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। बद्री केदार मंदिर समिति के मुख्य कार्य अधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल की ओर से नोटिस जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट की ओर से तेलंगाना में पंच केदार मंदिर का निर्माण और बद्रीनाथ धाम का निर्माण किया जा रहा है मंदिर निर्माण के प्रचार-प्रसार में भी केदारनाथ धाम की फोटो का इस्तेमाल किया गया है जो की सही नहीं है। मंदिर समिति का कहना है कि इससे सनातन धर्मावलंबियों की आस्था को ठेस पहुंचती है। समिति की ओर से तेलंगाना में बद्रीनाथ मंदिर का निर्माण करने पर उत्तराखंड कल्याणकारी संस्था को भी नोटिस जारी किया है। मंदिर गर्भगृह को पूरी तरह से बद्रीनाथ धाम मंदिर के प्राकृतिक स्वरूप में बनाया जा रहा है, जो धार्मिक मान्यताओं, भावनाओं और सनातन आस्था के खिलाफ है। बद्री केदार मंदिर समिति ने दोनों संस्थाओं से 15 दिन में जवाब मांगा है। इससे पहले भी उत्तराखंड कल्याणकारी संस्था द्वारा बद्रीनाथ धाम मंदिर निर्माण का कार्य करने पर आपत्ति जताई गई है। बद्रीनाथ धाम के पुरोहितों ने इससे पहले भी आपत्ति जताई गई थी और कहा था कि बद्रीनाथ धाम का निर्माण कहीं और होना धर्म विरुद्ध है और अब बद्री केदार मंदिर समिति की तरफ से संस्था को नोटिस भेजा गया है।

पहला कॉलम

हर्षा, आईआईटी बाबा पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बयान, कुंभ वायरल का नहीं आस्था का केंद्र

छतरपुर । प्रयागराज महाकुंभ में चर्चा का केंद्र बिंदु बनी मोनालिसा, हर्षा रिछारिया, आईआईटी बाबा पर मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वरधाम धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बयान सामने आया है। छतरपुर में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, महाकुंभ वायरल का विषय नहीं है। यह हमें उचित नहीं लगता। हम इसके खिलाफ हैं। बल्कि यह आस्था का विषय है। संस्कृति का कुंभ है। हमने पहले ही कहा कि रील नहीं रियल के लिए कुंभ में जाना चाहिए। वहां भी जो दो-तीन चीज चल रही हैं, उससे कहीं न कहीं मुख्य मुद्दे से महाकुंभ भटक रहा है। बाबा बागेश्वर ने कहा, महाकुंभ में विचार विमर्श इस बात पर होना चाहिए कि सनातन कैसे बचेगा? हिंदुत्व कैसे जागेगा? हिंदू राष्ट्र कैसे बनेगा और जो हिंदू नहीं हैं, उनकी घर वापसी कैसे कराई जाए? दरअसल, महाकुंभ में माला बेचने वाली इंदौर की मोनालिसा नाम की लड़की अपनी खूबसूरत आंखों की वजह से वायरल हो रही है। प्रयागराज पहुंची यूट्यूबर्स साध्वी के भेष में सामने आई मॉडल हर्षा रिछारिया और आईआईटीयन बाबा अभय सिंह के वीडियो वायरल कर रहे हैं।

केंद्र से मिला बातचीत का प्रस्ताव, डल्लेवाल मेडिकल ट्रीटमेंट को माने....चढ़ गया ग्लूकोल

चंडीगढ़ में 14 फरवरी को किसान संगठनों के साथ बैठक

पटियाला । सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद सहित 12 मांगों को लेकर 55 दिन से अनशन कर रहे 70 साल के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को ग्लूकोज चढ़ा दिया गया है। शनिवार को केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी पंजाब और हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने अनशन कर रहे डल्लेवाल से मिलकर मीटिंग का न्यौता दिया। केंद्र से बातचीत का प्रस्ताव मिलने के बाद किसानों ने डल्लेवाल को मेडिकल ट्रीटमेंट देने के लिए हामी भर दी और देर रात उन्हें ग्लूकोज चढ़ाया गया। अब चंडीगढ़ में 14 फरवरी को किसान संगठनों की भारत और पंजाब सरकार के मंत्रियों के साथ बैठक होगी। खनौरी बॉर्डर पर जॉइंट सेक्रेटरी प्रियरंजन ने कहा कि केंद्र को आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल की सेहत की पूरी फिक्र है। हम यहां आए हैं, ताकि कोई रास्ता निकल सके। केंद्र की ओर से बातचीत का जो प्रस्ताव दिया गया है उसमें लिखा है- भारतीय किसान यूनियन (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा की मांगों को लेकर भारत और पंजाब सरकार के मंत्रियों के साथ 14 फरवरी को बैठक होगी। यह बैठक चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में होगी।

दिल्ली में बदल रहा मौसम, जनवरी में ही होने लगा गर्मी का अहसास

नई दिल्ली। दिल्ली में जनवरी में अब ठंड की बजाय गर्मी का अहसास होने लगा है। रविवार को दिल्ली में गर्मी जैसा मौसम रहा। दोपहर को खिली धूप से गर्मी का अहसास हुआ। जनवरी में दिल्ली का तापमान इस साल रविवार को सबसे ज्यादा दर्ज किया गया। पीतमपुरा दिल्ली का सबसे ज्यादा गर्म इलाका रहा। दिल्ली में 6 साल बाद जनवरी में ऐसा तापमान देखने को मिला। इससे पहले 2019 में 21 जनवरी को दिल्ली का तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। भारतीय मौसम विभाग ने इस अचानक गर्मी के लिए पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा के पैटर्न में आए बदलाव को जिम्मेदार ठहराया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए भी ऐसे ही मौसम की संभावना जताई है सोमवार और मंगलवार को भी दिल्ली में गर्मी का अहसास हो सकता है।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर मामला : दोषी संजय रॉय को उम्रकैद के साथ 50 हजार का जुर्माना

कोलकाता।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुए ट्रेनी डॉक्टर रेप और मर्डर मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय को सियालदह कोर्ट ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा, उस पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इस मामले में सजा का ऐलान सोमवार को किया गया, जब अदालत ने संजय रॉय, सीबीआई और पीड़ित परिवार के वकीलों की दलीलें सुनीं।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त 2024 को एक जघन्य अपराध हुआ था, जिसमें संजय रॉय ने एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी। इस मामले में करीब 164 दिन की जांच के बाद, अदालत ने संजय रॉय को दोषी ठहराया।

कोर्ट ने सजा सुनाने से पहले 3 पक्षों की दलीलें सुनीं, जिसमें संजय रॉय का बयान भी शामिल था। दोषी संजय रॉय ने अदालत में कहा कि मैं निर्दोष हूं और मुझे फंसाया गया है। उसने दावा किया कि उससे जबरदस्ती कागजों पर साइन कराए गए थे और जेल में उसे पीटा गया।

वहीं इस मामले में सीबीआई ने कोर्ट से दोषी को फांसी की सजा की मांग की, ताकि समाज में विश्वास और न्याय की भावना बनी रहे। जबकि पीड़ित के माता-पिता ने भी फांसी की सजा की मांग की। उन्होंने कहा कि संजय रॉय, जो अस्पताल की सुरक्षा में तैनात था, वही उस डॉक्टर के साथ इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाला अपराधी था, जिसकी उसे रक्षा करनी थी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि दोषी को फांसी की सजा होनी चाहिए क्योंकि उसका अपराध बेहद घृणित है।

यहां बताते चलें कि अदालत ने फोरेंसिक रिपोर्ट को इस मामले का आधार माना है। रिपोर्ट में पाया गया कि संजय रॉय का डीएनए घटनास्थल और पीड़ित डॉक्टर की बॉडी पर पाया गया था, जो उसके इस अपराध में शामिल होने का ठोस सबूत था। ऐसे में संजय रॉय को भारतीय न्याय संहिता की धारा 64, 66 और 103(1) के तहत दोषी पाया गया, जिसके तहत आजीवन कारावास या फांसी की सजा दी जा सकती है। सजा सुनाते हुए जज ने कहा, तुम पर लगाए गए सभी आरोप साबित हो चुके हैं। इसी के साथ अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

केंद्र ने आंध्र प्रदेश की 3 लाख करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं को मंजूरी दी : शाह

अमरावती ।

मोदी सरकार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के पास नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट (एनआईडीएम) के दक्षिणी परिसर और नेशनल डिजास्टर रिसपॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) की 10वीं बटालियन परिसर के साथ अन्य प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि जब कोई आपदा भगवान द्वारा भेजी जाती है, तब एनडीआरएफ मदद के लिए आती है। मैन मेड (मानव निर्मित) आपदा होती है तब एनडीए मदद के लिए आती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा के बाद एनडीए 2025 में दिल्ली में सरकार बनाएगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आंध्र प्रदेश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का पूरा समर्थन है। केंद्र ने सिर्फ 6 महीनों में राज्य के लिए 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण और केंद्रीय मंत्री के राम मोहन नायडू भी मौजूद रहे।

कटरा-बडगाम रेलवे ट्रैक पर अंतिम ट्रायल रन पूरा.....अब दूर नहीं कश्मीर-कन्याकुमारी

जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर में उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) प्रोजेक्ट के हिस्से कटरा-बडगाम रेलवे ट्रैक पर ट्रायल रन पूरा हो गया। 18 कोच की ट्रायल ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा रेलवे स्टेशन से कश्मीर की ओर रवाना हुई। ट्रायल की देखरेख कर रहे रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह यूएसबीआरएल का आखिरी टेस्ट रन है। सबकुछ सही और ठीक रहने पर इस प्रोजेक्ट को हरी झड़ी दे दी जाएगी।

41 हजार करोड़ रुपए की लागत से बने यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 272 किमी. है। इसमें 111 किमी. का रास्ता सुरंग के भीतर है। 12.77 किमी. लंबी टी-49 सुरंग इस प्रोजेक्ट में सबसे लंबी है। रियासी जिले में चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल भी प्रोजेक्ट का हिस्सा है। पुल की लंबाई 1315 मीटर, जबकि नदी तल से ऊंचाई 359 मीटर है। इस पुल को बनाने में करीब 20 साल का वक्त लगा, जबकि 1486 करोड़ रुपए की निर्माण लागत आई है।

भारतीय रेलवे ने प्रोजेक्ट के जरिए एक और उपलब्धि अपने नाम पर दर्ज की है।

अंजी खड्ड पर बनाया गया पुल भारतीय रेलवे का पहला केबल-स्टेड पुल है। यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इस सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला इमारत के बराबर ऊंचा है। यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है जो रियासी जिले को कटरा से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी माह 7 किलोमीटर है। इस पुल की कुल लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है।

जून, 2024 में हुआ था पहला ट्रायल रन जम्मू के रामबन में संगलदान और रियासी के बीच ट्रेन का पहला ट्रायल रन जून, 2024 में हुआ था। यह ट्रेन चिनाब ब्रिज से भी होकर गुजरी थी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसके सफल परीक्षण की जानकारी दी थी। चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से भी ऊंचा है। एफिल टावर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि 1.3 किमी लंबे इस ब्रिज को चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है।

जम्मू-कश्मीर में रहस्यमयी बीमारी से हो रही मौतों के बाद झरने को किया सील

बुधल गांव की घेराबंदी कर 24 घंटे झरने पर नजर रखने सुरक्षाकर्मी तैनात

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर के बुधल गांव में तीन परिवारों के 17 सदस्यों की रहस्यमयी बीमारी से मौतों की चल रही जांच के बीच अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र एक झरने को सील कर दिया है। झरने के पानी में कुछ कीटनाशकों की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। इस वजह से लोग डरे हुए हैं। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि बुधल गांव के झरने से लिए गए पानी के नमूनों में कुछ कीटनाशकों मिले हैं। इसको पीएचई डिवीजन राजौरी ने अवरुद्ध कर दिया है और संबंधित मजिस्ट्रेट ने सील कर दिया है। ऐसी आशंका है कि गांव की आदिवासी आबादी चोरी-छिपे इस झरने के पानी को इकट्ठा कर सकती है। इसलिए तहसीलदार यह सुनिश्चित करें कि कोई भी ग्रामीण किसी भी हालत में इस झरने के पानी का इस्तेमाल न करे। इसकी घेराबंदी कर दी गई है। उन्होंने राजौरी जिले के बुधल गांव की घेराबंदी करने और वहां 24 घंटे 2 से 3 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का निर्देश दिए हैं।

बता दें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जम्मू के राजौरी जिले में रहस्यमयी बीमारी से मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए गृह मंत्रालय की अगुवाई में एक टीम के गठन का आदेश दिया था। यह टीम रहस्यमयी बीमारी से मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। इस टीम की जम्मू-कश्मीर के फोरेंसिक साइंस, पशुपालन और खाद्य सुरक्षा विभाग भी मदद कर रहे हैं।

राजौरी के सरकारी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल की अध्यक्षता में स्थानीय डॉक्टरों की एक टीम ने लोगों की आशंकाओं को दूर करने के लिए बुधल गांव में थी। उन्होंने लोगों को बताया कि विषाक्त पदार्थों से मस्तिष्क को नुकसान हो सकता है, जो तुरंत इलाज न किए जाने पर अपरिवर्तनीय हो सकता है। ज्यादातर मरीज विषाक्त पदार्थों के कारण अपरिवर्तनीय मस्तिष्क क्षति होने के बाद अस्पताल पहुंचे थे, जिसके बारे में डॉक्टर ज्यादा कुछ नहीं कर सके थे।

ताजा बयान से बिहार में इंडिया गठबंधन में संकट

राहुल गांधी ने बिहार में हुई जातिगत गणना को बताया ‘फर्जी’, क्या तेजस्वी की उपलब्धि पर पानी फेरने की कोशिश

पटना ।

बिहार की जातिगत गणना को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बदला हुआ रुख सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में पटना में आयोजित ‘संविधान सुरक्षा सम्मेलन’ में राहुल गांधी ने बिहार में हुई जातिगत गणना को ‘फर्जी’ करार दिया। राहुल गांधी का कहना था कि इस प्रक्रिया के जरिये राज्य की जनता को गुमराह किया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान ने न सिर्फ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बल्कि तब सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे तेजस्वी यादव को भी राजनीतिक रूप से असहज कर दिया है।

2024 के शुरुआती दिनों में, राहुल गांधी ने जातिगत गणना का श्रेय तेजस्वी और कांग्रेस के दबाव को दिया था। उन्होंने जनगणना करने को बीजेपी के खिलाफ महागठबंधन की बड़ी जीत बताया था। लेकिन अब, ठीक विधानसभा चुनावों से पहले, राहुल गांधी के बयान पूरी तरह बदल गया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस जातीय जनगणना की सबसे बड़ी पैरोकार है और जातिगत जनगणना को पूरे देश में लागू करेगी।

जहां राहुल गांधी के बयान को केवल नीतीश के खिलाफ नहीं, बल्कि तेजस्वी पर भी अप्रत्यक्ष हमला बताया जा रहा है। क्योंकि तेजस्वी ने जातिगत गणना को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया था। लेकिन अब राहुल गांधी इसी जातिगत जनगणना को फर्जी करार देकर तेजस्वी की उपलब्धि को कमजोर करने की कोशिश करते दिख रहे हैं।

दरअसल बिहार की राजनीति में इस बदलाव को लेकर सवाल उठने लाजिमी हैं। क्या यह राहुल गांधी की लालू और तेजस्वी यादव के साथ सियासी दबाव बनाने की रणनीति है? या यह इंडिया ब्लॉक में नेतृत्व को लेकर बढ़ती खींचतान का संकेत है?

दिल्ली चुनावों में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच साफ-साफ टकराव देखने को मिला सकता है। वहां कांग्रेस अपने दम पर चुनाव लड़ रही है, जबकि आप को ममता बनर्जी और अखिलेश यादव का समर्थन मिला हुआ है। अब सवाल उठता है कि क्या बिहार में भी कांग्रेस इसी राह पर चलेगी और अपने दम पर चुनाव लड़ने का फैसला करेगी?

हाल फिलहाल कांग्रेस के बदले हुए रुख से यह संभावना बनती दिख रही है कि पार्टी आने वाले विधानसभा चुनावों में सीटों के बंटवारे में ज्यादा हिस्सेदारी मांग सकती है। राहुल गांधी ने हाल ही में क्षेत्रीय दलों को विचारधारा के अभाव वाला बताया था, इससे कांग्रेस को ÷राष्ट्रीय पार्टी÷ के रूप में बड़ी भूमिका मिल सके।

दरअसल लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी का यह बयान नीतीश और तेजस्वी यादव के लिए बिहार विधानसभा चुनाव में नई चुनौती है। खासकर तब, जब बिहार में बीजेपी पहले ही नीतीश के जातिगत समीकरणों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी के जातिगत गणना पर बदले हुए रुख ने बिहार की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। यह न केवल इंडिया ब्लॉक के भीतर बढ़ते तनाव को दिखाता है, बल्कि कांग्रेस की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं को भी सामने लाता है। अब देखना यह होगा कि यह बयानबाजी गठबंधन को मजबूत करेगी या बिहार में राजनीतिक समीकरणों को और उलझा देगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवान श्री राम ही अमृत हैं

(लेखक-संजय गोस्वामी)

भगवान श्री राम की श्री रामब्धि शुक्ति मणि जिसमें श्री का अर्थ है देवी लक्ष्मी सार्वभौमिक शक्ति जो सीता के रूप में जन्मी थीं, पूर्व की उत्पत्ति समुद्र से हुई थी और बाद में पृथ्वी में पैदा हुई थी, राम ने स्वयं में शिव और विष्णु के महत्वपूर्ण बीजों को मिलाया, अब्धि का अर्थ है सागर और शुक्तिमणि जिसका अर्थ है मोती। तो यह समझा जा सकता है कि जब हम रामायण के महासागर को छूते हैं, तो हमें दो मोती मिलेंगे, एक महान सेतु (महान पुल) और दूसरा लंकानगर (लंका का शहर), दोनों का निर्माण महासागर पर किया गया था। विश्वकर्मा (दिव्य आर्कटिक), ब्रह्मा के निर्देश के तहत दिव्य शिल्पकार, निर्माता ने त्रिदेवों में से एक भगवान शिव के निवास के रूप में लंका शहर का निर्माण किया था। उसी तरह हिंदू किंवदंतियों के चित्रण राजा नल ने विश्वकर्मा के महत्वपूर्ण तत्वों से पैदा हुए लंका नगरी और महान सेतु दोनों ही जल से संबंधित निर्माण हैं क्योंकि दोनों ही समुद्र पर बने थे। सेतु और लंका दोनों ही रामायण के दो मोती हैं। ये दोनों ही चमकदार मोती हैं, जिस पुस्तक का विषय उनके इर्द-गिर्द घूमता है, उससे यह आशा की जाती है कि यह भगवान श्री राम के आभूषणों की एक श्रृंखला की तरह चमकेगी जो असंख्य सूर्यों का प्रकाश बिखेरती है, और बदले में हम पर प्रकाश डालती है और हमारे जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाती है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि रामचंरित्र मानस में प्रत्येक तथ्य विज्ञान और हमारी भारतीय संस्कृति के अनुरूप है। हिंदू किंवदंतियाँ, पौराणिक कथाएँ, प्राचीन इतिहास, सूर्य सिद्धांत और आधुनिक विज्ञान सभी इसके के निर्माण में शब्द को लाए गए हैं। पुस्तक श्रीमद्रामायण में वर्णित राम सेतु और लंका नगर के बारे में कुछ जानने के लिए, हमें कुछ संबंधित तथ्यों को जानना आवश्यक है। रामायण में वर्णित तथ्य वर्तमान के अनुरूप हैं। विज्ञान की हर शाखा रामायण से जुड़ी हुई है।

पुस्तक का उद्देश्य यह है की द्वीप में, भारत वर्ष (भारत की भूमि) स्थित है, कैसे हमारे देश को भारत खंड (भारत का महाद्वीप और भारत वर्ष, भारत की भूमि) के रूप में जाना जाता है और हमारे देश से अलग हुए द्वीपों के नाम क्या हैं। पुस्तक सूर्य सिद्धांत में पाई जाने वाली माप की योजन इकाइयों के बारे में मजबूत जानकारी देती है, जो दूरी मापने की वर्तमान इकाई के अनुसार इसकी गणना प्रदान करती है। रावण का लंका नगर और वर्तमान श्रीलंका, जो भारत से अलग हो गए थे, दो दूर के द्वीप हैं और एक नहीं हैं। रामायण में राम के काल में केवल एक द्वीप लंका नगर का वर्णन मिलता है। भौगोलिक परिवर्तन के कारण लंका नगर की 90त्न भूमि समुद्र में डूब गई और शेष 10त्न भूमि सिंहल द्वीप में विलीन नहीं हुई। परिणामस्वरूप वर्तमान श्रीलंका के लोग कहते हैं कि उनकी भूमि (श्रीलंका) रामायण के अवशेषों से भरी हुई है, जिसका अर्थ है कि रामायण की लंका कुछ और नहीं बल्कि उनकी अपनी भूमि है, जिसमें महान सेतु का 90त्न हिस्सा समुद्र में डूबा हुआ है, शेष भाग वर्तमान में दानुष्कोटि (भारत में) और थलीमन्नार (श्रीलंका में) के बीच देखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि महान सेतु का शेष भाग भी उत्तर पूर्व की ओर चला गया होगा। समय के साथ भौगोलिक परिवर्तन का एक विवरण। इस पुस्तक में हमारे देश पर शासन करने वाले सम्राटों और राजाओं के साथ-साथ आधुनिक काल में हमारे राज्य के राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और राज्यपालों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

पुस्तक का उद्देश्य श्रीमद्रामायण और अन्य मानक कार्यों के साथ-साथ भागवत और विभिन्न पौराणिक कथाओं के आधार पर यह तथ्य स्थापित करना भी है कि रावण का लंकानगर और सिंहल (वर्तमान श्रीलंका) दो अलग-अलग संस्थाएँ हैं और जैसा कि सार्वभौमिक रूप से माना जाता है, रामेश्वरम (भारत में) और श्रीलंका के बीच राम सेतु का निर्माण किया गया था। भौगोलिक स्थिति मनुष्य अपनी माँ के गर्भ से बाहर निकलते ही पृथ्वी की गोद में प्रवेश करता है। जब तक वह जीवित रहता है, पृथ्वी उसका आश्रय बनी रहती है। ईश्वर ने उसके जन्म से पहले ही उसके पदार्थ की व्यवस्था कर दी है। इसलिए भौगोलिक स्थिति को मनुष्य की यात्रा का पहला चरण माना जाता है। जैविक स्थिति- पृथ्वी मनुष्य के स्थिर विकास का आधार है। वेदों और विज्ञान के अनुसार पृथ्वी पर 84 करोड़ जीव-जंतु मौजूद हैं। प्रकृति की अनियमितताओं और परिवर्तनशीलता के कारण कुछ जानवर विलुप्त हो गए हैं।अतः आप इधर उधर की बातें से अच्छा भगवान श्री राम का स्मरण करते रहें जैसे प्रभु के ध्यान में पूज्य हनुमान को शक्ति मिलती है जब जब राम को मन मंदिर में पुरी तरह बसा नहीं लेते तब तक शांति नहीं मिलेगी और आपकी ऊर्जा नष्ट होते रहेगी जिसमें काम, क्रोध, मद, लोभ, द्वेष आदि का अंत नहीं कर देते तब तक प्रभु राम को समझना मुश्किल होगा आप ऐ तो जाने ऐ तो मेरे प्रभु राम ही थे जिसके चरण स्पर्श से पत्थर की अहिल्या जीवित हो उठी तभी तो केवट भगवान श्री राम के चरणों को अपने अश्रु से ही धो डालता है भगवान श्री राम दया के सागर हैं और वही अमृत भी है जब तक ध्यान रहेगा आप सुरक्षित रहेंगे जैसे जो मछली मछुआरा के पैर तले आती है तो उसके जाल में नहीं फंसती है इसी तरह प्रभु श्री राम के चरणाविंद में रहते हैं तब तक आपका कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता है भगवान श्री राम महाकुम्भ जैसे ही तो हैं जिसमें ना जाने अपने अंदर कितने अ अंशख्य साधु संतो को अपने विराट हृदय में समाहित किए है या फिर अथाह समुद्र जैसे जो उसमें एक बार डुबकी लगा देता है वो माया मोह के बंधन से मुक्त हो जाता है विशाल से विशाल कुंभ मेला में किसी कारण वश नहीं जा सके तो इसमें चिंता करने की बात नहीं है ऐ कुछ समय के लिए एक आध्यात्मिक वातावरण प्रदान करता है लेकिन प्रभु श्री राम तो अनन्त रूपों में व्याप्त है जो कभी भी किसी भी समय उपस्थित हो जायेंगे बस एक बार सच्चे मन से ध्यान कर के देखिये असली अमृत प्रभु राम के चरणों में छिपा है जो आपको शक्ति प्रदान करता है बस उन लोगों से दूर रहें जो मांस, मदिरा,का सेवन करते हैंऔर भोग विलास और क्रोधित हो जाते हैं संगत का प्रभाव पड़ता है जैसी संगती वैसी रंगत। अतः एकांत में रहकर प्रभु का ध्यान करते रहें आपको इससे अधिक ख़ुशी कभी नहीं मिलेगी जैसे भूगर्भीय परिस्थितियों में कुछ जानवर सूक्ष्मदर्शी से देखे जा सकते हैं और कुछ सूक्ष्मदर्शी से भी दिखाई नहीं देते। मनुष्य जन्म लेता है और अपने पिछले जन्मों के कर्मों का फल भोगता है। इसे कर्म का नियम कहते हैं। ब्रह्मा द्वारा ब्रह्मांड की रचना भी इसी में वर्णित है। जैविक स्थिति में मनुष्य का अपनी माँ के गर्भ से धरती पर आना दूसरी अवस्था मानी जाती है। 3। कालानुक्रमिक स्थिति- यह उपरोक्त दोनों स्थितियों से संबंधित है। समय धरती पर होने वाले परिवर्तनों और मनुष्य के विकास को मापने का एक पैमाना है। समय का पहिया अनंत काल तक घूमता रहता है। सभी अवतार, ब्रह्मा का समय (सृष्टि) और मानव जाति की आयु समय सारणी के विशाल दायरे में फैली हुई है। समय भूवैज्ञानिक और जैविक परिवर्तन का आधार है। इसलिए इसे तीसरी स्थिति कहा जाता है। ज्योतिषीय समय से संबंधित है। समय के साथ ग्रहों, तारों की स्थिति और उनकी चाल मनुष्य के साथ-साथ उसके व्यक्तित्व पर भी परिवर्तन लाती है।जो प्रभु राम के नियंत्रण में है आपके किसी भी कर्म को माध्यम हवा, पानी पकड़ लेती है और उसका आकार प्रभु को दिख जाता है अतः किसी भी कुकर्म को ना करें उसकी छवि सामने बनकर घटना के रूप में परिवर्तित हो जाती है और जब समय घूमते हुए फिर वही आपके पास रोग लेकर आ जाती है।जिसको भोगना पड़ता है क्योंकि पृथ्वी घूमती है जिससे दिन और रात होता है।

पुस्तक का उद्देश्य श्रीमद्रामायण और अन्य मानक कार्यों के साथ-साथ भागवत और विभिन्न पौराणिक कथाओं के आधार पर यह तथ्य स्थापित करना भी है कि रावण का लंकानगर और सिंहल (वर्तमान श्रीलंका) दो अलग-अलग संस्थाएँ हैं और जैसा कि सार्वभौमिक रूप से माना जाता है, रामेश्वरम (भारत में) और श्रीलंका के बीच राम सेतु का निर्माण किया गया था। भौगोलिक स्थिति मनुष्य अपनी माँ के गर्भ से बाहर निकलते ही पृथ्वी की गोद में प्रवेश करता है। जब तक वह जीवित रहता है, पृथ्वी उसका आश्रय बनी रहती है। ईश्वर ने उसके जन्म से पहले ही उसके पदार्थ की व्यवस्था कर दी है। इसलिए भौगोलिक स्थिति को मनुष्य की यात्रा का पहला चरण माना जाता है।

संपादकीय

दुर्घटना रोकने को तय हो जवाबदेही

यह शर्मनाक ही है कि भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटनाओं में अन्य कारणों के अलावा सबसे अधिक भूमिका तकनीकी व गुणवत्ता की खामियों वाली सड़कों की होती है। यह भयावह है कि वर्ष 2023 में देश में हुई पांच लाख दुर्घटनाओं में करीब पौने दो लाख लोगों की मौत हुई। उस पर सबसे दुखद यह है कि मरने वालों में एक लाख चौदह हजार लोग अट्ठारह से 45 वर्ष के बीच के युवा थे। जो परिवार के कमाने वाले व नई उम्मीद थे। इन हालात को देखते हुए ही केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक इन सड़क दुर्घटनाओं को आधा करने का लक्ष्य रखा है। यह विडंबना ही है कि दुर्घटनाएं रोकने के लिये सख्त कानून बनाने एवं तकनीक के जरिये चालकों की लापरवाही पर नजर रखने जैसे उपायों के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बेबाक सुझाव से सहमत हुआ जा सकता है कि खराब सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। इसके लिये ठेकेदार और इंजीनियर की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में उन्होंने दुःख जताया कि विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों में जब भारत में विश्व की सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले देश के रूप में चर्चा होती है, तो उन्हें शर्म महसूस होती है। आखिर तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे क्यों नहीं थम रहे हैं।यह बात तय है कि अगले पांच सालों में सड़क दुर्घटनाओं को यदि आधा करना है, तो युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन कारणों को तलाशना होगा, जिनकी वजह से हर साल सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है। आखिर क्या वजह है कि राजमार्गों के विस्तार और तेज गति के अनुकूल सड़कें बनने के बावजूद हादसे बढ़े हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि राजमार्गों व विभिन्न तीव्र गति वाली सड़कों में साम्य का अभाव है, वहीं मोड़ों को दुर्घटना मुक्त बनाने हेतु तकनीक में बदलाव की जरूरत है। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को उन कारणों की पड़ताल करनी होगी, जो पर्याप्त धन आवंटन के बावजूद सड़कों को दुर्घटनामुक्त बनाने में बाधक हैं। ऐसे में जरूरी है कि सड़कों की निर्माण सामग्री और डिजाइनों की निगरानी के लिये स्वतंत्र व सशक्त तंत्र बनाया जाए, जो बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के काम कर सके। साथ ही मंत्रालय का दायित्व बनता है कि इस बाबत स्पष्ट नीति को सख्ती से लागू किया जाए। यह जानते हुए कि सड़कों के ठेके में मोटे मुनाफे के लिए एक समांतर भ्रष्ट तंत्र देश में विकसित हुआ है, जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता करने से परहेज नहीं करता। जिसके खिलाफ उठने वाली ईमानदार आवाजें दबा दी जाती हैं। निस्संदेह, गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाली व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। तब हमें यह सुनने को नहीं मिलेगा कि उद्घाटन के कुछ ही बाद ही सड़क उखड़ गई या बारिश में घुल गई।

तम्बाकू एक धीमा जहर

(लेखक - रहीम खान)

इसे विडंबना कहे कि जिस तम्बाकू के पेड के पत्तों को गधे भी नहीं खाते वह समझदार प्राणी कहे जाने वाले मानव का सबसे प्रिय खानी वाली एक वस्तु है । तम्बाकू आज के दौर में भारत में बच्चों, किशोर, युवा और वृद्ध सभी आयु वर्ग में खाई जाने वाली वस्तु है । तम्बाबू एक प्रकार की निकोटियाना प्रजाति के पेड के पत्तों को सूखा कर नशा करने की वस्तु बनाई जाती है । यह एक मीठा और धीमा जहर है जो धीमे धीमे आदमी की जान लेता है । भले की सरकार को तम्बाकू के माध्यम से राजस्व के रूप में करोड़ों रूपये प्राप्त होता है । परन्तु दूसरी ओर इससे उत्पन्न रोगों के इलाज पर इससे ज्यादा खर्च किया जाता है । इसके सेवन से जीवनी शक्ति का ह्रास होता है । लाख बुराई होने और इसके नुकसान को जानने के बाद भी जब इसकी लत आदमी को लग जाती है तो उसको छुड़ा पाना मुश्किल हो जाता है । इस प्रकार से वह अपने आप को उसके हवाले करके अपनी ताकत धीरे धीरे खोते जाता है । इसके शौकीन पुरूष महिला सभी है । भारत में प्रयोग की जाने वाली धुंआरहित तम्बाकू में तम्बाकू वाला पान/पान मसाला/तम्बाकू चूने और बूझे हुए चूने का मिश्रण/मैनपुरी तम्बाकू/मावा/तम्बाकू और बूझा हुआ चूना खैनी/चबाने योग्य तम्बाकू/सनस/मिश्री/बज्जर/गुडाखू/क्रीमदार तम्बाकू पावडर/तम्बाकू युक्त पान इत्यादि । इसी के साथ तम्बाकू का उपयोग सिगरेट और बीड़ी के माध्यम से भी किया जात है । तम्बाकू ध्रूमपान एक ऐसा अभ्यास है जिसमें तम्बाकू को जलाया जाता और उसका धुंआ या तो चखा जाता है या फिर उसे सांस में खींचा जाता है । इसका चलन सन् 5000 ई. पूर्व से हुआ है । तम्बाकू सेवन का सबसे आम तरीका ध्रूमपान है । प्रारंभिक अवस्था में ध्रूमपान सुखद अनुभूतियां प्रदान करता है । सकारात्मक दृष्टिकोण के एक स्त्रोत के रूप में कार्य करता है बाद में इसके नकारात्मक प्रभाव शरीर में पड़ते है। ध्रूमपान के अलावा दवा के रूप में भी तम्बाकू का उपयोग होता है। एक दर्द निवारक के तौर में यह कान के दर्द और दांत के दर्द और कभी कभी एक प्रलेप के रूप में भी प्रयोग किया जाता है । रेगिस्तान में रहने वाले भारतीय कहते है कि ध्रूमपान करने से जुकाम ठीक हो जाता है । वर्तमान समय बाजार में बड़ी संख्या में पाऊच बेचे जा रहे है । जिसमें किसी न किसी प्रकार से तम्बाकू का अंश बहुत ज्यादा है । 1980 के दशक में मिले वैज्ञानिक प्रमाण के अनुसार तम्बाकू कंपनियों ने दावा किया कि लापरवाही बरतने का कारण स्वाद पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव से पहले उनका अंजान होना था या पर्याप्त विश्वसनीयता का अभाव था । कि इसका प्रभाव किस प्रकार पड़ता है । ध्रूमपान और तम्बाकू सेवन से बचने के लिये विश्व स्तर पर प्रचार अभियान सभी देशों की सरकारों द्वारा चलाया जाता है । जिसके कारण इसके प्रति रूचि रखने वाले लोगों में इतनी कमी नहीं आ पाई जितनी सरकार अपेक्षा करती है । सिगरेट में पत्तों को जलाकर और वाष्पीकरण गैस को सांस से खींचकर प्राप्त किया जाने वाला आनंद शरीर के भीतर नये नये रोगों को जन्म देता है। क्योंकि यह प्रभावशाली ढंग से पदार्थो को खून में अवशोषित कर फेंफडों में कोशिकाओं के जरिये पहुंचाया जाता है । फेंफड़ों में लगभग 300 मिलियन रक्त कोशिका होती है । अधिक ध्रूमपान किये जाने से ह्रदय रोग की बीमारी भी उत्पन्न होती है । जो महिलाएं इसके सेवक करती है । उनके शरीर के भीतर भी अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न होते है । तम्बाकू का पत्ता अर्थात निकोटिन एक ऐसा जहर है जो जबान पर तो आनंद प्रदान करता है परन्तु शरीर के भीतर जाने के बाद यह कई प्रकार के बीमारियों का रास्ता खोल देती है । ध्रूमपान की शुरूआत अधिकतर समय किशोर अवस्था से की जाती है। परन्तु बाद में यह इंसान को अपना गुलाम बना लेती है । तम्बाकू के बारे में अनेक सचेत करने वाले प्रचार प्रसार/संदेश सरकारों के तरफ से लगातार जारी किये जाते है परन्तु इसका कोई दूर दूर तक असर दिखाई नहीं पड़ता । विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि तम्बाकू के कारण पैदा हुई बीमारियों और उससे हुई मौत के मामले ज्यादातर शिकार गरीब होते है । क्योंकि वह इसके दुष्परिणामों को गंभीरता से नहीं लेते । सन् 2004 में दुनिया भर में 58.8 मिलियन लोगों की मृत्यु का अनुमान लगाया गया । जिनमें 5.4 मिलियन के लिये तम्बाकू को जिम्मेदार ठकराया । उसी प्रकार 2007 में 4.9 मिलियन मौते तम्बाकू की वजह से होना बताया जाता है । तम्बाकू उपयोग के बारे में अनेक प्रकार की दुनिया भर में मान्यता व धारणाएं प्रचलित है। केंसर जैसा घातक रोग का जिम्मेदार भी तम्बाकू को माना जाता है । ऐसी मान्यता है कि तम्बाकू इस जगह से निर्माता से मिला एक उपहार था और इसके कश से निकला धुंआ उसे व्यक्ति विशेष के विचारों और प्रार्थनाओं को स्वर्ग तक ले जाने में सक्षम है । तम्बाकू की हानि को इसी बात से समझा जा सकता है कि इसका जो पौधों होता है। उसके पत्तों को गधा जैसे मूर्ख प्राणी भी नहीं खाता । परन्तु बुद्धजीवी कहा जाने वाला मानव उसे खुशी खुशी खाते है । तम्बाकू में पाया जाना वाला निकोटिन का प्रभाव इतना गहरा है कि यह जब सिगरेट में पिया जाता है तो उसका धुंआ केवल पीने वालें को भी नहीं अन्य आसपास बैठे व्यक्तियों के शरीर पर भी अपना दुष्प्रभाव छोड़ता है इसीप्रकार ध्रुमपान और चबा कर तम्बाकू जब शरीर में जाती है तो खून में मिल जाती है जिनके कारण इसकी आदत व्यक्ति से छूट नहीं पाती और वह इसका आदि हो जाती है । वह जल्दी थक जाता है ज्यादा दूर तक पैदल नहीं हल पाता थोडी से मेहनत से दम भर जाती है। ऐसे अनेक प्रकार के लक्षण व्यक्ति में उत्पन्न हो जाते है। मद्य निषेध के नाम पर लूट-- भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय विभिन्न एन.जी.ओ के माध्यम से लोगों ध्रूमपान और तम्बाकू से बचने के लिये देश व्यापी प्रचार अभियान चलाता है परन्तु वास्तविकता यह है कि इसका रत्तीभर भी प्रभाव नहीं होता बल्कि मद्य निषेध के नाम पर एन.जी.ओ. अपनी जेब लाखों रूपयों से भर रहे है । किसी भी स्थान पर एकाध छोटा से प्रोग्राम करके अखबारों मे लंबा चौडा प्रचार करवाकर लाखों रूपये की स्वीकृति सरकार से प्राप्त कर लेते है । तम्बाकू के दूष्प्रभाव से बचने के लिये सबसे अच्छा और सरल साधन यह है कि व्यक्ति उस वातावरण से दूर रहे जहां पर लोग इसका सेवक अधिक करते है ।

(चिंतन-मनन)

क्या है कृष्णकर्म?

ऐसा कोई कार्य न करें जो कृष्ण से संबंधित न हो। कोई भले ही कितने ही कर्म क्यों न करे, किंतु उसे उनके फल के प्रति आसक्ति नहीं होनी चाहिए। यह फल तो कृष्ण को ही अर्पित किया जाना चाहिए। उदाहरणार्थ, यदि कोई व्यापार में मस्त है, तो उसे इस व्यापार को कृष्णभावनामृत में परिणत करने के लिए, कृष्ण को अर्पित करना होगा। यदि कृष्ण व्यापार के स्वामी हैं, तो इसका लाभ भी उन्हें ही मिलना चाहिए। यदि किसी व्यापारी के पास करोड़ों रुपए की संपत्ति हो और यदि वह इसे कृष्ण को अर्पित करना चाहे, तो वह ऐसा कर सकता है। यही कृष्णकर्म है। अपनी इंद्रियतृप्ति के लिए विशाल भवन न बनवाकर, वह कृष्ण के लिए सुंदर मंदिर बनवा सकता है, कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कर सकता है। यह सब कृष्णकर्म है।

मनुष्य को अपने कर्मफल में लिप्त नहीं होना चाहिए, अपितु इसे कृष्ण को अर्पित करके बची हुई वस्तु को प्रसाद रूप में ग्रहण करना चाहिए। यदि कोई कृष्ण के लिए विशाल भवन बनवा देता है और उसमें कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कराता है, तो उसमें उसे रहने की मनाही नहीं होती, लेकिन कृष्ण को ही इस भवन का स्वामी मानना चाहिए। यही कृष्णभावनामृत है। किंतु यदि कोई कृष्ण के लिए मंदिर नहीं बनवा सकता तो वह कृष्ण-मंदिर की सफाई में तो लग सकता है, यह भी कृष्णकर्म है।

मत्परमः शब्द उस व्यक्ति के लिए आता है जो अपने जीवन का परमलक्ष्य, भगवान कृष्ण के परमधाम में उनकी संगति करना मानता है। ऐसा व्यक्ति चंद्र, सूर्य या स्वर्ग जैसे उच्चतर लोकों में अथवा ब्रह्मांड के उच्चतम स्थान ब्रह्मलोक तक में जाने का इच्छुक नहीं रहता। उसे इसकी तनिक भी इच्छा नहीं रहती। क्योंकि वह तो सर्वोच्च आध्यात्मिक लोक में जाना चाहता है, जिसे कृष्णलोक या गोलोक वृंदावन कहते हैं।

विचार मंथन

सबसे चर्चित अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह

(लेखक - सनत जैन)

दुनिया के देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह चर्चाओं में है। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज 20 जनवरी सोमवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ले रहे हैं। इस शपथ ग्रहण समारोह के लिए जो चंदा एकत्रित किया गया उसका अपना एक अलग रिकॉर्ड बन गया है। सबसे ज्यादा चंदा पाने वाले डोनाल्ड ट्रंप पहले राष्ट्रपति बने हैं, जिन्हें कारपोरेट कंपनियां ने दिल खोलकर चंदा दिया है। चंदा देने वाली कंपनियों में टेक्नोलॉजी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिप्टोकरंसी और कई बड़ी-बड़ी कंपनियां शामिल हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि आयोजन के लिए 200 मिलियन डॉलर का चंदा शपथ ग्रहण समारोह के लिए डोनाल्ड ट्रंप एकत्रित कर सकते हैं। शपथ ग्रहण समारोह के लिए अमेरिका के इतिहास में अभी तक का यह सबसे बड़ा चंदा है। अमेरिका में राष्ट्रपति को चंदा देने की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति को मिले हुए दान का खुलासा करना पड़ता है। शपथ ग्रहण समारोह में जो खर्च हो रहा है उससे ज्यादा चंदा एकत्रित हो जाने से अमेरिका में इस बात की चर्चा होने लगी है कि भविष्य में इस चंदे का उपयोग किस काम के लिए होगा। शनिवार की देर रात चीनी कंपनी टिकटॉक की सेवाएं बंद कर दी गईं थीं। अमेरिका में टिकटॉक प्लेटफार्म से करोणों लोग जुड़े हुए हैं। अमेरिकी नागरिकों की कमाई का एक बड़ा जरिया टिकटॉक कंपनी थी। रविवार की देर रात इसको पुनः शुरू कर दिया गया। ट्रंप शपथ ग्रहण करने के बाद राष्ट्रपति टिकटॉक कंपनी को 90 दिन तक शुरू करने का आदेश देने वाले हैं। उनके मौखिक आदेश पर टिकटॉक की सेवाएं शुरू कर दी गईं हैं। माना जा रहा है कि इस कंपनी को एलन मस्क की कंपनी खरीद सकती है, क्योंकि अमेरिका के रोजगार से जुड़ा हुआ यह मामला है। अतः माना जा रहा है कि टिकटॉक जल्द ही नए नाम से अमेरिका में व्यवसाय शुरू कर देगी। ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह इसलिए भी चर्चाओं में है क्योंकि अमेरिका से जिन राष्ट्रों के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं उन्हें भी शपथ ग्रहण समारोह का न्योता भेजा गया। यूरोपीय संघ और मित्र राष्ट्रों को उन्होंने चुन-चुन कर शपथ ग्रहण का न्योता भेजा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन्होंने पिछले चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव प्रचार किया था अबकी बार ट्रम्प सरकार का नारा लगाया था उन्हें शपथ ग्रहण में नहीं बुलाया गया। यह अलग बात है कि भारत के विदेश मंत्री को अमेरिका का न्योता आया और वह शपथ ग्रहण में भाग लेने के लिए गए हैं। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी को शपथ ग्रहण समारोह का न्योता भेजा गया जिसको लेकर भारत में बड़ी चर्चा हो रही है। सारी दुनिया में शपथ ग्रहण समारोह की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि एक तरफ शपथ ग्रहण समारोह के लिए सबसे ज्यादा चंदा इकट्ठा किया गया तो वहीं पुरानी सारी परंपराओं को तोड़कर शपथ ग्रहण समारोह के लिए अतिथियों को बुलाया गया। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद दुनिया के सभी देशों में इसकी क्रिया और प्रतिक्रिया हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति शपथ लेने के बाद 100 ऐसे आदेश जारी करने जा रहे हैं जिसका असर दुनिया के सभी देशों में पड़ सकता है। इसलिए शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही दुनिया के देशों में आशंकाएं भी बढ़ गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बनने के बाद क्या करेंगे यह अलग बात है, लेकिन जिस तरह के भाषण राष्ट्रपति बनने के पहले वो दे रहे थे, वही नीतियां यदि लागू की गईं तो बड़े पैमाने पर पूरी दुनिया में अफरा-तफरी मच सकती है। अमेरिका में घुसपैठ करके अवैध प्रवासी रह रहे हैं, उनमें सबसे ज्यादा चिंता है। कच्चे तेल के दाम, मैक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाने और रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध विराम एवं विस्तारवाद को लेकर उन्होंने जो बयान दिए थे उसको लेकर दुनिया भर के देशों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। दरअसल ट्रंप ने कनाडा, ग्रीनलैंड और पनामा नहर के बाद मैक्सिको की खाड़ी पर भी एक बड़ा बयान दिया था, जिस पर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। ट्रम्प कनाडा को 51वां राज्य बनाने का प्रस्ताव दोहराते रहे हैं, जिससे कनाडा में विवाद और अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई।

यही नहीं उन्होंने ग्रीनलैंड को भी अमेरिकी राज्य बनाने की बात कही, इसके साथ ही ट्रंप ने मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने की भी बात कही। ट्रंप ने फ़्लोरिडा में दिए अपने एक भाषण के दौरान घोषणा की थी, हम बहुत जल्द बदलाव की घोषणा करने जा रहे हैं, क्योंकि वो तो हमारा ही है, हम मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com | www.facebook.com/krantisamay1 | www.twitter.com/krantisamay1

चौथी तिमाही में घरेलू उपभोक्ताओं की मांग तेजी के साथ घटी

26 फीसदी से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली । भारत में पिछले चार तिमाही से लगातार घरेलू मांग कम होती जा रही है। 1 साल में लगभग 26 फ़ीसदी की मांग पिछले वर्ष की तुलना में कम हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार मुंबई,अहमदाबाद, बेंगलुरु सहित देश के आठ प्रमुख शहरों में मांग लगातार घट रही है। भारत में प्रॉपर्टी की मांग सबसे ज्यादा घट रही है। प्रॉपर्टी की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उसी तुलना में मांग घटती चली जा रही है। प्रॉपर्टी बाजार के विशेषज्ञों का कहना है रियल स्टेट सेक्टर में मंदी लगातार देखने को मिल रही है। मुंबई एवं पुणे क्षेत्र में सालाना गिरावट 31 फ़ीसदी दर्ज की गई है। बेंगलुरु में 23 फ़ीसदी की गिरावट आई है। हैदराबाद में 36 फ़ीसदी की गिरावट आई है। चेन्नई में भी मांग घटती जा रही है। उपभोक्ता सामग्री और रियल स्टेट में जिस तरह की मंदी देखने को मिल रही है। उसने आर्थिक विशेषज्ञों की नींद उड़ा दी है। महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों की आय उस तुलना में नहीं बढ़ रही है। जिसके कारण उपभोक्ताओं की मांग लगातार घटती चली जा रही है। एमएफसीजी कंपनियां तथा रियल एस्टेट में काम करने वाले कारोबारी इन दोनों सबसे बड़ी मुसीबत में हैं।

हेज फंड्स के साथ कथित मिलीभगत के चलते भड़क गई रिसर्च कंपनी

- अडानी समूह पर लगाए थे गंभीर आरोप

वाशिंगटन । कनाडा के एक पोर्टल ने दायर दस्तावेजों में दावा किया है कि हेज फंड्स के साथ कथित मिलीभगत के आरोपों के चलते नैट एंडरसन और हिंडनबर्ग रिसर्च ने कंपनी को बंद करने की घोषणा की है। हेज फंड्स जो विभिन्न प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं, निवेशकों के बीच भरी प्रतिष्ठा रखते हैं। दायर दस्तावेजों में स्पष्ट हुआ कि नैट एंडरसन और एन्सन के बीच ईमेल के माध्यम से साझा हुआ रिसर्च, हिंडनबर्ग की नकारात्मक रिपोर्ट की तैयारी में एन्सन की अहम भूमिका थी। दायर दस्तावेजों के मुताबिक एन्सन हेज फंड के प्रमुख ने स्वीकारा कि उनकी कंपनी ने हिंडनबर्ग रिसर्च को सहायता प्रदान की थी। वहां कनाडाई पोर्टल मार्केट फ्रॉड्स द्वारा आरोप लगाया गया है कि एन्सन ने अपने फंड्स के निर्देशों का अनुसरण नहीं किया और नैट एंडरसन के साथ निकटता बनाए रही। इस घटना में एसईसी द्वारा एक अध्यादेश जारी करने की संभावना है, जिससे यह मुद्दा और भी ज्यादा उतार-छूट पा सकता है। नैट एंडरसन और उनकी कंपनी के खिलाफ के कोर्ट की निर्णय से उनकी दिन-ब-दिन बिगड़ती चारित्रिक अवस्था को ध्यान में रखते हुए, नैट एंडरसन के भविष्य की किल-किल कायम है।

वन97 कम्युनिकेशंस का घाटा कम होकर हुआ 208.5 करोड़

नई दिल्ली । पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में घाटा 221.7 करोड़ रुपये रहा था। बयान के अनुसार आलोच्य तिमाही में पेटीएम की परिचालन आय 35.8 प्रतिशत घटकर 1,827.8 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 2,850.5 करोड़ रुपये थी। हालांकि, कंपनी ने कहा कि तिमाही आधार पर राजस्व में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

Paytm

टाटा संस के एनबीएफसी रजिस्ट्रेशन कैंसिल करने के आवेदन की हो रही जांच

नई दिल्ली ।

टाटा संस द्वारा एनबीएफसी (नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी) के रूप में रजिस्ट्रेशन को कैंसिल करने के आवेदन की भारतीय रिजर्व बैंक जांच कर रहा है। इसकी पुष्टि भारतीय रिजर्व बैंक ने भी की है। टाटा संस, जो कि टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है, ने पहली बार अपनी इस जाँच के बारे में जानकारी दी है। यह कदम टाटा ग्रुप के लिए खास मायने रखता है, क्योंकि वह अपनी होल्डिंग कंपनी को लिस्टिंग से बचाना चाहता है। आरबीआई ने अपनी एनबीएफसी की लिस्ट जारी करते समय यह खुलासा किया कि टाटा संस को एनबीएफसी-अपर लेयर के रूप में वर्गीकृत किया गया था और नई लिस्ट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसके बावजूद, आरबीआई ने यह साफ किया है कि टाटा संस को एनबीएफसी-यूएल की सूची में शामिल करना उसके पंजीकरण रद्द करने के आवेदन पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगा। आरबीआई ने यह भी बताया कि यदि किसी एनबीएफसी को एनबीएफसी-यूएल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, तो उसे कम से कम पांच साल तक अतिरिक्त रेगुलेटरी आवश्यकताओं को पूरा करना होगा, भले ही यह बाद में इस लिस्ट से बाहर हो जाए।

टाटा संस अब खुद को एनबीएफसी-कोर निवेश कंपनी के क्लासिफिकेशन से बाहर निकलने और अपर लेयर वाली एनबीएफसी की लिस्ट से बचने के लिए अपने कर्ज को कम कर रही है। आरबीआई के नियमों के अनुसार यदि टाटा संस अपर लेयर वाली एनबीएफसी बनी रहती है, तो उसे सितंबर 2025 तक लिस्ट होना होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि टाटा संस को अपनी होल्डिंग्स को कम करने के लिए 50,000 करोड़ रुपये की इक्विटी बेचने की आवश्यकता पड़ी, तो यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ बन सकता है।

लक्ष्मी डेंटल का शेयर 27 फीसदी तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । ऑर्बिमेड समर्थित लक्ष्मी डेंटल का शेयर अपने निर्गम मूल्य 427 रुपये से करीब 27 फीसदी की तेजी के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 23.36 फीसदी की तेजी के साथ 528 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इसके बाद यह 36.37 प्रतिशत चढ़कर 583.70 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने निर्गम मूल्य से 26.63 फीसदी उछाल के साथ 542 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,129 करोड़ रुपये रहा। लक्ष्मी डेंटल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत बुधवार को 113.97 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ 138 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और प्रवर्तकों द्वारा 560 करोड़ रुपये के 1.31 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन था। इसके लिए मूल्य दायरा 407-428 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रुझान, निजी निवेश में वृद्धि की उम्मीद

मुंबई । कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ने हाल ही में एक सर्वेक्षण जारी किया है जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में आशावादी तस्वीर पेश की गई है। इस सर्वे के अनुसार, 75 फीसदी कंपनियां मान रही हैं कि वर्तमान आर्थिक माहौल निजी निवेश के लिए अनुकूल है। जियो-पॉलिटिकल चुनौतियों के बावजूद भारत में निवेश का माहौल सकारात्मक है। सीआईआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि 70 फीसदी कंपनियों ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान निवेश करने के संकेत दिए हैं। इससे स्पष्ट है कि आगामी तिमाहियों में निजी निवेश में वृद्धि होने की संभावना है। सर्वे के अनुसार, 97 फीसदी कंपनियां वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 में रोजगार की वृद्धि की उम्मीद जताती हैं। पिछले तीन सालों में 79 फीसदी कंपनियों ने अपनी वर्कफोर्स बढ़ाई है। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में अगले साल 15-22 फीसदी तक डायरेक्ट एम्प्लॉयमेंट ग्रोथ हो सकती है, जबकि इनडायरेक्ट एम्प्लॉयमेंट की ग्रोथ 14 फीसदी की मायने रख सकती है। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश का माहौल अब और भी अनुकूल हो रहा है, जिससे रोजगार वृद्धि और अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन की संभावना है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को बढ़त दर्ज की गयी। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग और धातु शेयरों में खरीदारी से बाजार में उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 454.11 अंक करीब 0.59 फीसदी ऊपर आकर 77,073.44 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.55 अंक तकरीबन 0.61 फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,344.75 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में 17 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। कोटक बैंक, बजाज फाइनैंस, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी और एसबीआई के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही जबकि पावर ग्रिड, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाइटन, आईसीआईसीआई, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक और रिलायंस के शेयर भी बढ़त पर रहे।

वहीं सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 13 शेयर नुकसान के साथ ही गिरावट पर बंद हुए। इसमें जोमेटो, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस, एमएंडएम और मारुति सेंसेक्स के बसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे।

टाटा मोटर्स, आईटीसी, सन फार्मा, एचयूएल, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, इंफोसिस और इंडसइंड बैंक के शेयर भी नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार सप्ताह की शुरुआत बाजार ने सकारात्मक संकेतों के साथ की, जिसमें मिश्रित संकेतों के बीच आधे प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। , बैंकिंग क्षेत्र के दिग्गज शेयरों की मजबूती ने पहले सत्र में इंडेक्स को ऊपर ले जाने में मदद की, जिसके बाद बाजार सीमित दायरे में चलता रहा।

सेक्टोरल रुझान मिश्रित रहे, जहां बैंकिंग और मेटल सेक्टर ने उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की, वहीं ऑटो और एफएमसीसी क्षेत्र में हल्की गिरावट दर्ज की गयी। ÷

वहीं एशियाई बाजारों में, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में तेजी रही जबकि सियोल गिरावट लेकर बंद हुआ। यूरोप के बाजार ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार तेजी पर बंद हुए। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबहा बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 359.20 अंकों की बढ़त के साथ 76,978.53 पर खुला। वहीं निफ्टी 50 87.20 अंकों की तेजी के साथ 23,290.40 के स्तर पर दिन के कारोबार की शुरुआत की।

अरबपतियों की संपत्ति 2024 में 2000 अरब डॉलर तक बढ़ी-रिपोर्ट

- एक दशक के भीतर कम से कम पांच खरबपति होने का अनुमान

दावोस ।

विश्व भर में अरबपतियों की संपत्ति पिछले साल 2024 में 2000 अमेरिकी डॉलर बढ़कर 15,000 अमेरिकी डॉलर हो गई जो 2023 की तुलना में तीन गुना अधिक है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से पहले सोमवार को रिपोर्ट यहां जारी की गई। रिपोर्ट ने अरबपतियों की संपत्ति में भारी उछाल और गरीबों की संख्या में 1990 के बाद से कोई खास बदलाव नहीं आने की तुलना की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में एशिया में अरबपतियों की संपत्ति में 299 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। साथ ही उसने अनुमान लगाया कि अब से एक दशक के भीतर कम से कम पांच खरबपति होंगे। वर्ष 2024 में अरबपतियों की सूची में 204 नए लोग शामिल हुए। औसतन हर सप्ताह करीब चार नाम इसमें शामिल हुए। इस वर्ष केवल एशिया से 41 नए अरबपति सूची में शामिल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल नॉर्थ के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोग 2023 में वित्तीय प्रणालियों के जरिये 'ग्लोबल साउथ' से प्रति घंटे तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर हासिल करेंगे। अरबपतियों की 60 प्रतिशत संपत्ति अब विरासत, एकाधिकार शक्ति या सांठगांठ वाले संबंधों से प्राप्त होती है, जो दर्शाता है कि अरबपतियों की अत्यधिक संपत्ति काफी हद तक अनुपयुक्त है। अधिकार समूह ने दुनिया भर की सरकारों से असमानता को कम करने, अत्यधिक धन-संपदा को समाप्त करने तथा नए अभिजात्यतंत्र को समाप्त करने के लिए सबसे अमीर लोगों पर कर लगाने का आग्रह किया। इसमें पूर्व की औपनिवेशिक शक्तियों से हुई क्षतियों की भरपाई कराने की भी मांग की गई।

डिजिटल साझेदारी से बढ़ रहा है वित्तीय सेवाओं का दायरा

नई दिल्ली । गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल ने वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में एक नया मोड़ खोलने के लिए साझेदारी की घोषणा की है। कंपनियों ने संयुक्त बयान में इस मंच की उपयोगिता और महत्त्व को बताया है। इस साझेदारी से एयरटेल के ग्राहक आधार और बजाज फाइनेंस का वितरण नेटवर्क एक साथ आएंगे। भारती एयरटेल के एक अे धिकारी ने इस साझेदारी का मकसद स्पष्ट किया है। उन्होंने बयान दिया कि उनका लक्ष्य एयरटेल फाइनेंस को ग्राहकों की सभी वित्तीय जरूरतों के लिए वन-स्टॉप शॉप बनाना है। इससे ग्राहकों को विभिन्न वित्तीय सेवाओं की सुविधा मिलेगी। बजाज फाइनेंस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि भारत के वित्तीय सेवाओं का डिजिटल परिवेश तंत्र तेजी से बढ़ रहा है। इस साझेदारी से न केवल उन्हें बजाज फाइनेंस के उत्पादों की पहुंच मिलेगी, बल्कि ग्राहकों को भी नए और सुविधाजनक विकल्प मिलेंगे। इस साझेदारी के तहत बजाज फाइनेंस के दो उत्पादों को एयरटेल थैंक्स ऐप पर पेश किया जा रहा है। मार्च तक कई और उत्पाद भी इस एप्लिकेशन पर उपलब्ध किए जाएंगे। इस साझेदारी से वित्तीय सेवाओं के दायरे में नए विकल्प और सुविधाएं खुलने की उम्मीद है और देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को एक नया मुकाम मिल सकता है।

देश की पहली प्रोटोटाइप एयर टैक्सी आटो एक्सपों में हुई पेश

नई दिल्ली ।

देश की पहली प्रोटोटाइप एयर टैक्सी को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश किया गया। इस टैक्सी का नाम शून्य रखा गया है। इस लक्ष्य के लिए प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग फर्म सोना एसपीईईडी ने बेंगलुरु स्थित सरला एविएशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। सरला एविएशन भारत के सबसे बेहतरीन इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (ईवीटीओएल) विमान विकसित करती है। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सरला एविएशन बूथ का दौरा किया और उड़ने वाली टैक्सी के प्रोटोटाइप में दिलचस्पी दिखाई और इसे ऐतिहासिक बताया। सोना एसपीईईडी मोटर्स इसरो के कई अंतरिक्ष मिशनों का हिस्सा रही है। यह समझौता सोना एसपीईईडी को देश में अर्बन एयर मोबिलिटी में क्रांति लाने में एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करता है। सोना एसपीईईडी के एक अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी एयरोस्पेस इनोवेशन के हब रूप में सोना एसपीईईडी के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हमारा लक्ष्य साथ मिलकर शहरी परिवहन के लिए एक स्वच्छ, तेज और अधिक कुशल भविष्य को आकार देना है। समझौता ज्ञापन के तहत, सोना एसपीईईडी कर्नाटक में अपनी अत्याधुनिक फैसिलिटी का इस्तेमाल सरला एविएशन के ईवीटीओएल विमान के लिए मोटर और लैंडिंग गियर जैसे क्रिटिकल कम्पोनेंट्स को डिजाइन और निर्माण करने के लिए करेगी। सरला एविएशन के अे धिकारी ने कहा कि इंजीनियरिंग में सोना एसपीईईडी की विशेषज्ञता इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियों के लिए हमारे दृष्टिकोण को पूरी तरह से पूरा करती है।

यह सहयोग अत्याधुनिक ईवीटीओएल टेक्नोलॉजी के साथ अर्बन मोबिलिटी को फिर से परिभाषित करने के हमारे मिशन को मजबूत करता है।

भारतीय बाजार को लेकर जेसीबी बहुत उत्साहित

ग्रेटर नोएडा ।

भारतीय बाजार को लेकर जेसीबी इं डिया बहुत उत्साहित है। जेसीबी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहि कि जेसीबी भारतीय बाजार को लेकर काफी उत्साहित है। हमने साल दर साल 12 फीसद से अधिक की वृद्धि देखी है। सरकार का फोकस बुनियादी ढांचे बाजार पर है। हमने सरकार को साल दर साल न केवल सड़कों, राजमार्गों, रेलवे, आवास, जल से नल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना बल्कि पूरे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास पर निवेश करते देखा है। हमारा मानना है कि सरकारों का फोकस आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने जेसीबी की बढ़ती मांग का जिक्र करते हुए कहा कि जेसीबी कई तरीकों से विकल्पों पर विचार कर रही है, एक तरीका यह है कि डीजल इंजन को स्वयं देखा जाए। हम इंजन की क्षमता में सुधार कैसे कर सकते हैं। जैसा कि हम 10 से 15 फीसदी के बीच पूर्ण खपत देखते हैं, इसलिए हम ग्राहक की

जेब में अधिक पैसा डाल रहे हैं। आप देख सकते हैं कि यह एशिया का पहला हाइड्रोजन बैक लोडर है, इसलिए हम इस नए ईंधन के लिए प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के साथ तैयार हैं।

चाहे वह हाइड्रोजन हो या इलेक्ट्रिक, क्योंकि 65 फीसद मशीनें ग्रामीण क्षेत्र में काम करती हैं। इसलिए एक बार बुनियादी ढांचा तैयार हो जाने के बाद जेसीबी के पास वैकल्पिक तकनीक के साथ मशीनों का समर्थन करने की तकनीक भी है।

अंग्रेजों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर आगे बढ़ी बात

कच्चे माल से सप्लाई सुविधा को और दुरुस्त करने की कोशिश

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मिलकर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकसित करने और महत्वपूर्ण कच्चे माल की आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित करने के लिए काम करेगा, ताकि आर्थिक संबंध और मजबूत हो सकें। ब्रुसेल्स में 18-19 जनवरी को गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मैरोस सेफकोविक के बीच हुई बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने व्यावसायिक रूप से सार्थक व्यापारिक एजेंडा बनाने और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में काम करने पर भी सहमति व्यक्त की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि भारत यूरोपीय संघ के साथ एक वाणिज्यिक रूप से सार्थक व्यापार एजेंडा तैयार करेगा, जो निष्पक्ष और न्यायसंगत होगा तथा दोनों पक्षों के व्यवसायों के लाभ के लिए सरलीकरण और लागत प्रतिस्पर्धा के माध्यम से शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करेगा। दोनों पक्षों ने निष्पक्ष तरीके से व्यापार और सतत विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी एजेंडा विकसित करने तथा वैश्विक चुनौतियों का शीघ्रता से सामना करने के लिए एक मजबूत एफटीए विकसित करने के लिए दोनों टीमों के समक्ष राजनीतिक दिशा-निर्देश प्रस्तुत किए। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) के व्यापार और निवेश समूह में प्रगति की समीक्षा की, विरासत संबंधी मुद्दों को सुलझाने पर सहमति व्यक्त की। इस दौरान दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रिस्तरीय अधिकारियों के बीच निरंतर परामर्श के लिए एक खाका तैयार किया।

भारत का राजकोषीय घाटा कम होने की संभावना: रिपोर्ट

-सेंसेक्स पिछले 6 महीने में करीब 4 फीसदी गिरा

भारत, नेपाल और श्रीलंका जैसे देशों में मुद्रास्फीति नीचे रहने की उम्मीद

नई दिल्ली।

विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट में भारत की आर्थिक स्थिति को लेकर सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत का राजकोषीय घाटा धीरे-धीरे कम होने की संभावना है और यह वृद्धि कर राजस्व में इजाफे से समर्थित होगी। यह प्रवृत्ति भारत सरकार के राजकोषीय समेकन प्रयासों को मजबूत करने के रूप में देखी जा रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दक्षिण एशिया के अन्य देशों में राजकोषीय घाटा स्थिर रहने का अनुमान है जबकि भारत अपने सुधारित राजकोषीय स्थिति के कारण अलग दिखाई देता है। पाकिस्तान में उच्च ब्याज भुगतान और बांग्लादेश में बुनियादी ढांचे में निवेश के कारण अन्य देशों में राजकोषीय घाटा स्थिर रह सकता है लेकिन भारत की स्थिति में सुधार हो रहा है। हालांकि भारत की स्थिति सकारात्मक दिख रही है विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि दक्षिण एशिया के देशों का कर्ज-से-जीडीपी अनुपात ऊंचा रहेगा। धीरे-धीरे इसमें कमी आएगी। उच्च उधारी लागत के कारण कई देशों में कर्ज चुकाने की लागत बनी रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण एशिया में मुद्रास्फीति में कमी आने की संभावना है क्योंकि विनिमय दरें स्थिर हो रही हैं। भारत, नेपाल और श्रीलंका जैसे देशों में मुद्रास्फीति लक्ष्य सीमा के भीतर या उससे नीचे रहने की उम्मीद है। भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2025-26 और 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के सेवा क्षेत्र में निरंतर वृद्धि होगी और विनिर्माण गतिविधियां भी सशक्त होंगी जो सरकार की लॉजिस्टिक अवसंरचना और कर नियमों में सुधार की पहलों से प्रेरित हैं। इसके अलावा निजी खपत में वृद्धि की उम्मीद है और निवेश में मजबूत वृद्धि का अनुमान है जो निजी निवेश मजबूत कॉर्पोरेट बैलेंस शीट और बेहतर वित्तीय परिस्थितियों से समर्थित होगा। ये सभी कारक भारत की आर्थिक लचीलापन को मजबूत करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की महिला-पुरुष टीमों ने खो-खो वर्ल्ड कप के पहले खिताब जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की महिला-पुरुष टीमों ने खो-खो वर्ल्ड कप के पहले खिताब जीत लिए है। रविवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में दोनों कैटेगरी के फाइनल खेले गए। विमेंस टीम ने नेपाल को 78-40 के बड़े अंतर से हराया। वहीं मेंस टीम ने भी नेपाल को ही हराया, लेकिन अंतर 54-36 का रहा। खो-खो वर्ल्ड कप 13 से 19 जनवरी तक नई दिल्ली में खेला गया। भारत की दोनों टीमें टूर्नामेंट में अजेय रहीं। जबकि नेपाल की दोनों टीमों को भारत के खिलाफ ही हार का सामना करना पड़ा। मेंस फाइनल में नेपाल ने टॉस जीतकर डिफेंस चुना। पहली पारी में भारत ने 26 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को एक भी पॉइंट नहीं मिला। टीम इंडिया नेपाल को एक बार ऑलआउट करने में भी कामयाब रही। भारत ने पहली पारी में 26-0 की बढ़त ली। दूसरी पारी में नेपाल ने चेज किया और टीम ने 18 पॉइंट्स बटोरे। हाफ टाइम के बाद स्कोर 26-18 से भारत के पक्ष में रहा।

तीसरी पारी में भारत ने 28 पॉइंट्स हासिल किए। नेपाल की टीम 4 मिनट के अंदर ही ऑलआउट हो गई, टीम एक भी ड्रीम रन नहीं बना सकी। तीसरे टर्न के बाद भारत ने 54-18 के अंतर से बढ़त बनाए रखी। चौथे टर्न में भी नेपाल की टीम 18 ही पॉइंट्स ले सकी और भारत ने 54-36 के अंतर से वर्ल्ड कप जीत लिया।

विमेंस ग्रुप में 19 टीमों ने हिस्सा लिया। इंडिया विमेंस ग्रुप-ए में ईरान, मलेशिया और साउथ कोरिया के साथ थी। टीम ने साउथ कोरिया को 176-18, ईरान को 100-16 और मलेशिया को 100-20 के बहुत बड़े अंतर से हराया। टीम ने ग्रुप स्टेज में टॉप कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में भारत ने बांग्लादेश को 109-16 के अंतर से हराया। वहीं सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 66-16 से मुकाबला जीता। फाइनल में भी इंडिया विमेंस का दबदबा दिखा और टीम ने 78-40 के अंतर से मुकाबला जीत लिया। पूरे टूर्नामेंट में नेपाल इकलौती ऐसी टीम रही, जिसने भारत के खिलाफ हार का अंतर 50 से कम पॉइंट्स का रखा।

नीरज चोपड़ा ने हिमानी संग विवाह रचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण और रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शादी के बंधन में बंध गये हैं। नीरज की शादी एक पारिवारिक समारोह में सोनीपत की हिमानी मोर से हुई है इसमें परिवार और रिश्तेदारों के अलावा करीबी लोग ही शामिल हुए। नीरज ने सोशल मीडिया के जरिये आपनी शादी की तस्वीरें साझा की है। नीरज ने विवाह समारोह की तस्वीरों के साथ लिखा, 'मैंने अपने परिवार के साथ अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू किया है। साथ ही लिखा है कि हर उस आशीर्वाद के लिए आभारी हूं जिसने हमें इस पल तक पहुंचाया। प्यार से बंधे, हमेशा खुश रहें।

नीरज के विवाह को लेकर चाचा भीम ने बताया कि विवाह देश में ही हुआ और यह जोड़ा हनीमून के लिए विदेश रवाना हो गया है। हिमानी अभी अमेरिका में पढ़ाई कर रही हैं। भीम ने कहा, 'हां, विवाह दो दिन पहले भारत में हुआ। मैं यह नहीं बता सकता कि यह कहां हुआ। लड़की सोनीपत की है और वह अमेरिका में पढ़ाई कर रही है। वे हनीमून के लिए देश से बाहर गए हैं और मुझे नहीं पता कि वे कहां जा रहे हैं। हम निजता बनाये रखना चाहते थे। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस खेलों में रजत पदक जीतने वाले नीरज इससे पहले दक्षिण अफ्रीका में ट्रेनिंग ले रहे थे। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जबकि पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था।

शमी अभ्यास सत्र में पैर में पट्टी बांधे दिखे

कोलकाता (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट सीरीज के लिए लगाये अभ्यास सत्र के दौरान लंगड़ाते हुए गए ड्रेसिंग रूम की ओर जाते दिखे। शमी को पैर पर पट्टी बांधे देखा गया और वो लंगड़ाकर ड्रेसिंग रूम की ओर जा रहे थे। भारतीय टीम को 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसमें शमी की फिटनेस की जांच भी हो जाएगी। शमी को अगले माह होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भी टीम में शामिल किया गया है। ऐसे में उनकी फिटनेस पर चयन समिति की भी नजरं रहेंगी। शमी जिस प्रकार से अभ्यास के दौरान असहज नजर आये उससे उनकी फिटनेस पर सवाल उठने लगे हैं।

शमी एक साल से भी अधिक समय से टीम से बाहर हैं। साल 2024 के पूरे सत्र में वह टखने की चोट के कारण नहीं खेल पाये थे। गत वर्ष नवंबर में बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट में उनकी सफल वापसी हुई। इसी को देखते हुए चयनकर्ताओँ ने शमी को इंग्लैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी से पहले मैदान में उतारा। शमी ने ईडन गार्डन्स में पहले अभयास सत्र में भाग लिया। उन्होंने एक घंटे से अधिक समय तक पूरी ताकत से गेंदबाजी की पर इसके बाद उन्हें पैर में दर्द होने लगा। इसके बाद वह ड्रेसिंग रूम की ओर लौटे पर कुछ समय बाद ही पट्टी बांधकर वापस आ गये।

मेजबान पीसीबी अबतक नहीं कर पाया चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम घोषित

लाहौर (एजेंसी)। अगले माह होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अभी तक आठ में से सात टीमें घोषित कर दी गयी हैं। वहीं इसकी मेजबानी कर रहा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अभी तक अपनी टीम घोषित नहीं कर पाया है जबकि इसके लिए आईसीसी की समय सीमा भी समाप्त हो गयी। पीसीबी ने गत वर्ष टी20 विश्वकप के लिए भी अंतिम समय में ही टीम घोषित की थी और इस बार भी वही होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट पाकिस्तान में 19 फरवरी से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है और हर टीम तीन ग्रुप स्टेज मैच खेलेगी और हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। ग्रुप ए में बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका हैं। इस टूर्नामेंट का पहला मैच 19 फरवरी को कराची में मेजबान टीम पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम के मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के आधार पर दुबई में खेले जाएंगे।

न्यूजीलैंड

मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन , विल यंग।

इंग्लैंड

जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कारसे, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड

ऑस्ट्रेलिया

पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा

साउथ अफ्रीका

टेम्बा बावुमा (कप्तान), हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), रयान रिकलटन (विकेटकीपर), एडेन मार्कराम, ट्रिस्टन स्टब्स, टोनी डी ज़ोरज़ी, रासी वैन डेर डुसेन, डेविड मिलर, केशव महाराज, तबरेज शम्सी, कैगिसो रबाडा, वियान मुल्डर, मार्को जानसन, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे।

भारत

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा

अफगानिस्तान

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी,

राशिद खान, एएम गजनफर, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नावेद जादरान।

बांग्लादेश

नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), सौम्या सरकार, तंजीद हसन, तौहीद हृदयोय, मुश्फिकुर रहीम, एमडी महमूद उल्लाह, जेकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन इमोन, नसुम अहमद, तंजीम हसन साकिब, नाहिद राणा

शाकिब की मुश्किलें बढ़ीं, चेक बाउंस होने के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन के खिलाफ ढाका की एक अदालत ने चेक बाउंस होने के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी है। शाकिब हालांकि अभी देश से बाहर हैं। पिछले साल शेख हसीना सरकार के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन के बाद उनपर हत्या के एक मामले में आरोप लगे थे जिसके बाद से ही शाकिब बांग्लादेश नहीं लौटे हैं। शाकिब हसीना की आवामी लीग से सांसद थे। इंटरनेशनल फाइनेंस इन्वेस्टमेंट एंड कॉमर्स (आईएफआईसी) बैंक ने शाकिब के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। आईएफआईसी बैंक ने पिछले साल अक्टूबर में चेक बाउंस होने के मामले में कानूनी नोटिस जारी किया था। इसके बाद 24 दिसंबर को क्रिकेटर से व्यवसायी बने शाकिब और उनकी कंपनी के तीन अन्य अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। उनकी फार्म के दो अधिकारियों ने अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण किया और जमानत की गुहार लगाई जिसे अदालत ने सुनवाई के बाद मंजूर कर लिया। बांग्लादेश की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब ने 2016 में दक्षिण-पश्चिमी सतखीरा में शाकिब अल हसन एग्रो फार्म नाम से एक केकड़ा फार्म स्थापित किया था। कंपनी कथित तौर पर 2021 से निष्क्रिय है। गौर हो कि बांग्लादेश के अब तक के सबसे महान क्रिकेटर शाकिब ने अपना आखिरी टेस्ट मैच पिछले साल के अंत में कानपुर में भारत के खिलाफ खेला था। दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी बांग्लादेश के लिए उनकी आखिरी उपस्थिति मानी जा रही है। संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के कारण फिलहाल उन्हें क्रिकेट के सभी प्रारूपों में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित किया गया है।

आईपीएल 2025 के पहले मैच में सूर्यकुमार करेंगे मुम्बई की कप्तानी

मुम्बई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या प्रतिबंध के कारण आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। पंड्या पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। ऐसे में पहले मैच में मुम्बई इंडियंस को किसी और खिलाड़ी को कप्तान बनाना होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को इस मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी मिलेगी। सूर्या के अलावा अन्य कोई खिलाड़ी बड़ा दावेदार नहीं दिखता। पंड्या पर ये प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है कयोंकि वह पिछले आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान थे और तब टीम अपना अंतिम मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलत हुए तय समय पर ओवर पूरे नहीं कर पायीं थीं। इस प्रकार

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसआई) के नियमों के अनुसार, पंड्या को एक मैच का प्रतिबंध झेलना होगा, चाहे वह किसी नई टीम से भी जुड़ जायें। मैच में ओवर समय पर पूरा नहीं करने की वजह से पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगा था, जबकि अन्य इंपैक्ट खिलाड़ी सहित अंतिम – 12 पर 12 लाख या मैच फीस का 50 फीसदी का जुर्माना लगा था। बता दें कि टूर्नामेंट में यह तीसरा मौका था, जबकि पंड्या की कप्तानी वाली टीम समय पर ओवर पूरा नहीं कर सकी थी और उसे धीमी ओवर गति के लिए दंडित किया गया था।

सलामी बल्लेबाजों के लिए स्थान निश्चित है, बाकी सभी को लचीला होना चाहिए : अक्षर पटेल

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय टी20 लाइन-अप में सलामी बल्लेबाज ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका स्थान निश्चित है और इसके बाद बल्लेबाजी क्रम में 'कई फ्लोटर्स' शामिल होंगे, यह बात नए उप-कप्तान अक्षर पटेल ने सोमवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज से पहले टीम की रणनीति के बारे में बताते हुए कही। भारत बुधवार को ईडन गार्डन्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

बल्लेबाजी क्रम में उतार-चढ़ाव के बारे में पूछे जाने पर ऑलराउंडर ने जवाब दिया, %...यह सिर्फ़ मेरे बारे में नहीं है; यह टीम में सभी पर लागू होता है। 2024 की शुरुआत से ही, हमने एक निश्चित ओपनिंग स्लॉट रखने का फैसला किया था और नंबर 3 से नंबर 7 तक सभी को स्थिति, संयोजन और मैच-अप के आधार पर लचीला होने के लिए कहा गया है।% अक्षर, जो अब श्रृंखला के लिए टीम प्रबंधन का हिस्सा हैं, ने इस तरह से बात की जो 2023 वनडे विश्व कप से पहले रोहित शर्मा की बातचीत की याद दिलाता है, जहां उन्होंने मध्य-क्रम में लचीलेपन का आह्वान किया था।

उन्होंने कहा, 'कोई निश्चित स्थान नहीं है जहां कोई विशेष बल्लेबाज हमेशा खेलेगा...यह उस श्रेणी (नंबर 3 से 7 के बीच) में सभी के लिए समान है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि किसका दिन अच्छा चल रहा है, जिसका हम अभ्यास सत्रों के दौरान आकलन करते हैं। टी20 क्रिकेट में यह सही स्थिति में सही बल्लेबाज का उपयोग करने के बारे में है।'

सूर्यकुमार यादव के उप-कप्तान के तौर पर अक्षर के लिए बहुत कुछ नहीं बदला है, सिवाय इसके कि अब वह टीम प्रबंधन द्वारा लिए जाने वाले कुछ सख्त फैसलों का हिस्सा होंगे। अक्षर ने कहा, 'अभी सिर्फ एक दिन हुआ है। हां, हमने (कप्तान सूर्य, मुख्य कोच गौतम गंभीर और मैं) चर्चा की है। नेतृत्व समूह पर अतिरिक्त जिम्मेदारी है। ज्यादा बदलाव नहीं है। जाहिर है, हमारे पास एक स्थिर टी20 टीम है, ज्यादा दबाव नहीं है। जब आप नेतृत्व समूह में आते हैं, तो जाहिर है आपको कुछ कठोर फैसले लेने पड़ते हैं। हमने उन पर भी बात की है। यह एक सच्ची राय रखने और एक-दूसरे पर भरोसा बनाए रखने के बारे में है।'

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में मिली हार के बाद यह राष्ट्रीय टीम का पहला मैच है और ऑलराउंडर पिछली बातों को लेकर परेशान नहीं होना चाहते। उन्होंने कहा, 'हम ये भी बात करते हैं कि, जो हो गया वो हो गया, वो वापस नहीं आने वाला। यह हमारी अगली सीरीज में सकारात्मकता लाने के बारे में है।'

अक्षर ने 19 नवंबर 2023 को वनडे विश्व कप फाइनल के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी का भी स्वागत किया। टखने की सर्जरी से उबरने के बाद शमी घुटने की परेशानी से जूझ रहे थे। उन्होंने शमी की घरेलू सर्किट में हाल ही में हुई वापसी का जिक्र करते हुए कहा, 'यह टीम के लिए बहुत सकारात्मक

बात है। पिछली बार उन्होंने (शमी) वनडे विश्व कप फाइनल में खेला था और ठीक होने के बाद से उन्होंने सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे टूर्नामेंट दोनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। जब भी कोई सीनियर खिलाड़ी वापसी करता है तो इससे टीम को बहुत बढ़ावा मिलता है। हम सभी जानते हैं कि शमी भाई क्या कमाल करते हैं, चाहे वह नई गेंद से हो या डेथ ओवरों में। उनकी मौजूदगी, खास तौर पर नई गेंद से, टीम के लिए बहुत बड़ा फायदा है। उम्मीद है कि वह विश्व कप में दिखाए गए अपने उसी फॉर्म को जारी रखेंगे।'

ऋषभ बने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान

नई दिल्ली। ऋषभ पंत आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करेंगे। सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने सोमवार को ऋषभ को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की। सुपर जायंट्स ने पिछले साल हुई नीलामी में इस क्रिकेटर को सबसे अधिक रकम 27 करोड़ रुपये देकर खरीदा था। तभी तय हो गया था कि उन्हें कप्तानी मिलेगी। वह इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान थे। वह अब केएल राहुल, निकोलस पूरन और क्रुणाल पांड्या के बाद आईपीएल में सुपर जायंट्स के चौथे कप्तान होंगे। आईपीएल 2022 और 2023 सीजन में प्लेऑफ में जगह बनाने के बाद सुपर जायंट्स में पहली बार प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी थी। अब टीम को अपने नये कप्तान से खिताब की उम्मीदें रहेंगी। दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व करने के बाद ऋषभ दूसरी आईपीएल टीम की कप्तानी करेंगे। वह आईपीएल के 2021 से 2024 संस्करणों तक डीसी के कप्तान थे, 2023 सीजन को छोड़कर जब वह एक कार हादसे के कारण खेल से दूर थे। आईपीएल 2025 में उन्हें दिल्ली ने रिलीज़ कर दिया था। इसके बाद वह नीलामी में उतरे थे। अब वह नई टीम में मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के साथ काम करेंगे जिनसे उनकी मुलाकात ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के दौरान हुई थी। बल्लेबाजी विभाग में पंत के साथ निकोलस पूरन, डेविड मिलर, मिशेल मार्श और एडेन मार्कराम के साथ-साथ आयुष बडोनी, आर्यन जुयाल, अब्दुल समद और हिम्मत सिंह शामिल होंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : स्वितोलिना ने छह साल बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

मेलबर्न। यूक्रेन की खिलाड़ी और 28वीं सीड एलिना स्वितोलिना ने सोमवार को रोड लेवर एरिना में हुए चौथे राउंड के मुकाबले में वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 6-4, 6-1 से हराकर छह साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 स्वितोलिना ने इतिहास रचते हुए ग्रैंड स्लैम में 100 मैच जीतने वाली पहली यूक्रेनी खिलाड़ी बनने के बाद यह कारनामा किया है। यह उनके करियर का 12वां ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब क्वार्टरफाइनल में स्वितोलिना का सामना छठी सीड एलिना रिबाकिना और 19वीं सीड मेडिसन कीज के बीच होने वाले चौथे राउंड के विजेता से होगा। स्वितोलिना के प्रदर्शन पर मां बनने के बाद भी कोई असर नहीं पड़ा है। 2022 में बेटी स्काई के जन्म के बाद यह उनका चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल है। उन्होंने 2018 और 2019 में लगातार दो बार ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी। पिछले साल, स्वितोलिना ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन चौथे राउंड में लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ पीठ में चोट के कारण केवल तीन गेम के बाद मैच छोड़ना पड़ा। इसके बाद पूरे सीजन में वह शारीरिक समस्याओं से जूझती रहीं और यूएस ओपन के बाद फुट सर्जरी के लिए ब्रेक लिया। यह टूर्नामेंट उनकी सर्जरी के बाद पहला है। मैच की शुरुआत में स्वितोलिना को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, क्योंकि पूर्व वर्ल्ड नंबर 9 कुदेरमेटोवा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 4-1 की बढ़त बना ली थी। लेकिन स्वितोलिना ने अपनी लय हासिल करते हुए लगातार पांच गेम जीते और पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में स्वितोलिना ने शानदार वापसी की, 3-1 की बढ़त के साथ मैच पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया और 83 मिनट में जीत दर्ज की।

सुरेश रैना की इच्छा, वनडे में ज्यादा जिम्मेदारी के साथ खेलें ऋषभ पंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली -भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी में ऋषभ पंत को ज़्यादा जिम्मेदारी के साथ खेलते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर बाएं हाथ का यह बल्लेबाज 40-50 गेंदों का सामना करता है तो वह टीम के लिए खेल को अच्छी तरह से समाप्त कर सकता है।

शनिवार को पंत को 22 जनवरी से शुरू होने वाले इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू तीन वनडे और फरवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया। यह अनिश्चित है कि पंत या केएल राहुल भविष्य में 50 ओवर के मैचों में भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज होंगे या नहीं। 31 मैचों में पंत ने 33.5 की औसत से 871 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 2022 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 125 रन रहा है।

रैना ने कहा, 'उन्होंने अपनी विकेटकीपिंग में बहुत सुधार किया है, (लेकिन) ऋषभ पंत को अधिक जिम्मेदारी के साथ खेलने की जरूरत है क्योंकि यह 50 ओवर का टूर्नामेंट है। इंग्लैंड के साथ आगामी टूर्नामेंट में आपको 5 टी20 और 3 वनडे खेलने हैं, यह ऋषभ पंत के लिए एक अच्छा अवसर होगा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कैसे खेलते हैं; मुझे लगता है कि अगर यशस्वी शीर्ष क्रम में नहीं खेलते हैं तो ऋषभ पंत की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी, वह चौथे स्थान पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'वह हार्दिक से पहले बल्लेबाजी करने भी आ सकते हैं क्योंकि अगर ऋषभ 40-50 गेंदें खेलते हैं तो वह खेल को खत्म कर सकते हैं। उसे खुद से कहना होगा कि अगर मैं पचास गेंद खेलता हूं तो मैं 80-100 रन बना सकता हूं, लेकिन उसके लिए कुछ समय बिताना महत्वपूर्ण है। अगर वह गलती करता है तो उसे बहुत नुकसान होगा क्योंकि उसके पास वह प्रतिभा है, उसके पास वह क्षमता है, वह भारतीय टीम के लिए एक्स फैक्टर बनने जा रहा है।'

भारत ने आखिरी बार 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी, जहां रैना रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के साथ विजेता टीम के सदस्य थे। यह पूछे जाने पर कि क्या कोहली, रोहित और जडेजा जैसे खिलाड़ी अगले महीने दुबई में 2013 की विजयी वीरता को दोहरा पाएंगे? रैना ने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, 'मुझे 2013 में अच्छी तरह से याद है जब रोहित शर्मा और विराट कोहली जीते थे; यह एक शानदार जश्न और माहौल था। मुझे लगता है कि रवींद्र जडेजा ने उस टूर्नामेंट में मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता क्योंकि उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजी की थी। वे तीनों अब एक ही टीम का हिस्सा हैं।'

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'रोहित शर्मा कप्तान हैं। मुझे याद है कि जब रोहित शर्मा को 2011 विश्व कप के लिए नहीं चुना गया था, तो उन्हें बहुत बुरा लगा था और वे चैंपियंस ट्रॉफी जीतना चाहते थे। हाल ही में उन्होंने टी20 विश्व कप जीता है। अब वे ICC खिताब जीत रहे हैं, जो उन्होंने पहले नहीं जीते थे। विराट ने पहले भी यह ट्रॉफी उठाई है और जानते हैं कि दबाव को कैसे झेलना है। उस समय की परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं, लेकिन जब वे दुबई जाएंगे, तो परिस्थितियां फिर से बिल्कुल अलग होंगी। रोहित परिस्थितियों को संभालना जानते हैं। अगर रोहित 20-25 ओवर खेलते हैं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर वे 2019 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराएं।'

भारत 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में अपने ग्रुप ए

अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ करेगा, जिसके बाद वे 23 फरवरी को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे और फिर 2 मार्च को न्यूजीलैंड का सामना करेंगे।

भारत में तेजी से आगे बढ़ रहा एथलेटिक्स : फराह

मुंबई। दिग्गज एथलीट मो फराह ने कहा है कि भारत में अन्य खेलों के साथ ही एथलेटिक्स भी अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। यही कारण है कि अधिक से अधिक युवा इस क्षेत्र में आगे आ रहे है जो एक सकारात्मक बात है। युवा खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से एथलेटिक्स के क्षेत्र को बदल सकते हैं। फराह ने कहा है कि आजकल भारत में एथलेटिक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और युवाओं में इतनी क्षमता है कि वे इस क्षेत्र में बेतर प्रदर्शन कर सकते हैं क्योंकि उनमें काफी प्रतिभा है। फराह ने कहा कि जिस प्रकार भारत खेल में तेजी से आगे बढ़ रहा है वह सभी को प्रभावित कर रहा है। टाटा मुंबई मैराथन के 20वें सत्र के ब्रांड दूत बनने पर भारत आये फराह ने कहा, ''देश के विकास, युवा एथलीटों की प्रतिभा को देखना एक शानदार अनुभव है। आप अगर कड़ी मेहनत करें तो जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है और

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।

ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वालीं ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं।

कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड-19 से लड़ रहे देशों में ई-लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बाबजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दारोमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं।

अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर- विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं .

सवाल पूछने दें – रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें।

लक्ष्य तय करें – हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें।

री-डू सिखाएं – घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी।

ऑनलाइन मदद – पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाते समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे – बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं।

स्कूल वापसी – इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा।

तकनीक सीखें – ई-लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।

सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारों खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ.जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे-धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटीशियन डॉ.हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त-दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टरी सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।'

विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नीबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो लत है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं।

बदलें खाना पकाने का तरीका

कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे-धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर देर-सबेर नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी-टू-ईट फूड और तरह-तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम-से-कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है,उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।

सुकून चाहती हैं तो वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित करें

अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रहीं। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी

स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मैट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अड्टयस्त बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेंटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाड्टाविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना बोलने का अड्टयास करें।

काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिम हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते-ड्टागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना ड्टी स्वाड्टाविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देंगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा-बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पश्चिमी चंपारण में जहरीली शराब पीने से सात लोगों की मौत

पश्चिमी चंपारण। बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से सात लोगों की मौत हुई है। हालांकि प्रशासन ने अभी तक मौत के कारणों की पुष्टि नहीं की है। एसपी शौर्य सुमन ने बताया कि घटना की जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक लोगों ने बताया कि पिछले चार दिनों में सात लोगों की मौत हुई है। इसमें पहली मौत 15 जनवरी को हुई थी, लेकिन पुलिस को इन मौतों की सूचना 20 जनवरी को मिली। मृतकों के शव को पहले ही अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा चुका था, इससे मौत के कारण का पता लगाना और मुश्किल हो गया है। पुलिस ने बताया कि सात मौतों में से दो मामलों में शराब से संबंधित होने की पुष्टि नहीं हुई है। एक व्यक्ति की मौत ट्रैक्टर की चपेट में आने से हुई, जबकि दूसरे को लकवा मार गया था। बाकी पांच मौतों का कारण स्पष्ट नहीं है। वहीं प्रशासन के आला अधिकारियों ने बताया कि जांच टीम को 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। टीम यह भी पता लगाएगी कि पिछले तीन-चार दिनों में लौरिया क्षेत्र में किन-किन लोगों की मौत हुई। मृतकों के परिजनों का कहना है कि सभी ने जहरीली शराब का सेवन किया था। एक मृतक के भाई ने बताया, मेरे भाई ने अपने दोस्त के साथ शराब पी थी। दोनों की मौत हो गई।

हर्षा, आईआईटी बाबा पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बयान, कुंभ वायरल का नहीं आस्था का केंद्र

छतरपुर। प्रयागराज महाकुंभ में चर्चा का केंद्र बिंदु बनी मोनालिसा, हर्षा रिछारिया, आईआईटी बाबा पर मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वरधाम धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बयान सामने आया है। छतरपुर में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, महाकुंभ वायरल का विषय नहीं है। यह हमें उचित नहीं लगता। हम इसके खिलाफ हैं। बल्कि यह आस्था का विषय है। संस्कृति का कुंभ है। हमने पहले ही कहा कि रील नहीं रियल के लिए कुंभ में जाना चाहिए। वहां भी जो दो-तीन चीज चल रही हैं, उससे कहीं न कहीं मुख्य मुद्दे से महाकुंभ भटक रहा है। बाबा बागेश्वर ने कहा, महाकुंभ में विचार विमर्श इस बात पर होना चाहिए कि सनातन कैसे बचेगा? हिंदुत्व कैसे जागेगा? हिंदू राष्ट्र कैसे बनेगा और जो हिंदू नहीं हैं, उनकी घर वापसी कैसे कराई जाए? दरअसल, महाकुंभ में माला बेचने वाली इंदौर की मोनालिसा नाम की लड़की अपनी खूबसूरत आंखों की वजह से वायरल हो रही है। प्रयागराज पहुंची यूट्यूबर्स साध्वी के भेष में सामने आई मॉडल हर्षा रिछारिया और आईआईटीयन बाबा अभय सिंह के वीडियो वायरल कर रहे हैं।

हर हफ्ते सामने आते हैं 18 नए घोटाले, मल्टी लेवल मार्केटिंग के नाम पर 30,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

मुंबई। भारत में मल्टी लेवल मार्केटिंग के नाम पर हर हफ्ते 17 से 18 से अधिक निवेश और सदस्यता घोटाले हो रहे हैं। इसके जरिए लाखों लोगों के साथ ठगी की वरदात को अंजाम दिया जाता है। इसमें निवेशकों को करोड़ों रुपए गंवाने के बाद सिर्फ अफसोस ही होता है। यह बात प्रकाश में आई है कि देश में करीब 30,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी वाली योजनाएं चल रही हैं, जिनका पर्दाफाश नहीं हुआ है और कुछ हद तक जांच चल रही है। दरअसल स्ट्रैटेजी इंडिया ने 2007 से भारत में स्थापित 14,000 से अधिक एमएलएम (मल्टी-लेवल मार्केटिंग) योजनाओं पर जानकारी एकत्र की और उसका विश्लेषण किया। तब से अब तक 4,000 से अधिक योजनाओं में धोखाधड़ी का खुलासा हो चुका है और इस संगठन द्वारा अलर्ट जारी किया जा चुका है। संगठन ने कहा कि इससे हमें अवैध, धोखाधड़ी वाली योजनाओं की पहचान करने में मदद मिली है। गेन बिटकॉइन और आईएक्स ग्लोबल जैसी योजनाओं के साथ-साथ हाल ही में मुंबई में उजागर हुए टोरेस घोटाले को संगठन की घोटाला चेतावनी सूची में बहुत पहले ही शामिल कर लिया गया था। स्ट्रैटेजी इंडिया के प्रमुख प्रांजल आर.डैनियल कहते हैं कि किसी योजना को घोटाला के रूप में पहचानने के लिए, सभी को उस योजना की कुछ जानकारी की जांच करनी होगी। इससे पहले कि आप किसी धोखाधड़ी में फंसकर वित्तीय नुकसान उठाएं।

सोपोर में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़, गोलीबारी जारी

जम्मू। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर शहर के ऊपरी इलाके में सुरक्षा बलों के घेरने के बाद कम से कम दो आतंकवादी घिर गए। इससे पहले 22 आरआर, 179 बीएन सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एसओजी ने सोपोर के ज़लूरा गुजरपट्टी में एक 'कासो(घेरा डालना और तलाशी अभियान) चलाया था। अभियान के दौरान ही आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि सोपोर पुलिस जिले के जलूरा गुज्जरपति में एक तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करने के बाद मुठभेड़ शुरू हुई। अधिकारियों के मुताबिक, ऑपरेशन में अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। बता दें कि इससे पहले 9 नवंबर को सोपोर इलाके में हुई मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया था। कश्मीर संभाग की पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि बारामूला के रामपोरा सोपोर इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर तलाशी अभियान शुरू हुआ था। इसी दौरान गोलीबारी शुरू हुई और जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया। कश्मीर जोन पुलिस ने कहा कि पुलिस और सुरक्षा बलों की ओर से जालूरा, सोपोर में शुरू किए गए घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। उसी दौरान अंदर से गोलीबारी की गई। इलाके की घेराबंदी कर दी गई। सेना ने बताया कि रविवार को, आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में खुफिया इनपुट के आधार पर, सोपोर में जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ एक संयुक्त घेरा और सर्च अभियान शुरू किया गया था। इस दौरान सैनिकों को संदिग्ध गतिविधि देखने को मिली और चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

जबरन कोलकाता पुलिस से छीन लिया गया केस, कोर्ट के फैसले पर बोलीं ममता बनर्जी- मैं संतुष्ट नहीं

पटना (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरजी कर बलात्कार और हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को कोलकाता की अदालत द्वारा मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने पर निराशा व्यक्त की। सियालदह अदालत के फैसले पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में ममता बनर्जी ने कहा, मैं संतुष्ट नहीं हूं। हम सभी ने मौत की सजा की मांग की, लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास दे दिया। बनर्जी ने दावा किया कि जांच कोलकाता पुलिस से जबरन छीन ली गई, और कहा कि अगर यह उनके पास होती, तो उन्होंने मौत की सजा सुनिश्चित की होती। मुर्शिदाबाद जिले में पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने मामले की सीबीआई जांच पर सवाल उठाया। ममता बनर्जी ने कहा कि हम सभी ने मौत की सजा की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने मौत तक उम्रकैद की सजा दी है. 'हमसे जबरन केस छीन लिया गया। अगर यह (कोलकाता) पुलिस के पास होता, तो हम सुनिश्चित करते कि उसे मौत की सजा दी जाती।

हमें नहीं पता कि जांच कैसे की गई। राज्य पुलिस द्वारा जांच किए गए ऐसे ही कई मामलों में मौत की सजा सुनिश्चित की गई। मैं संतुष्ट नहीं हूं।

सियालदह अदालत ने सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ऑन-ड्यूटी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या का दोषी ठहराए जाने के बाद संजय रॉय को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सियालदह में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास की अदालत ने शनिवार को रॉय को पिछले साल 9 अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के खिलाफ किए गए अपराध का दोषी पाया था, जिसके कारण देश भर में अभूतपूर्व और लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन हुआ था। न्यायाधीश दास ने दोषी को मौत की सजा नहीं देने के लिए कहा कि यह अपराध दुर्लभ से दुर्लभतम श्रेणी में नहीं आता है।

न्यायाधीश ने कहा कि धारा 64 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा रही है और 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया जा रहा है। न्यायाधीश ने कहा कि जुर्माना अदा न करने पर पांच महीने अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने कहा कि धारा 103(1) के तहत रॉय को आजीवन कारावास और 50,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई जाती है और जुर्माना नहीं देने पर उसे पांच महीने अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। न्यायाधीश ने फैसले में कहा कि इसके अतिरिक्त धारा 66 के तहत भी उसे आजीवन कारावास की सजा दी जाती है।

42 साल बाद बिहार में हो रहा अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन

-28 राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, 6 विधानसभा परिषद के सभापति ले रहे भाग

पटना। बिहार में करीब 42 साल बाद दो दिवसीय अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन आयोजित हो रहा है। विधानमंडल के सेंट्रल हॉल में ये कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला अध्यक्ष में मौजूद रहेंगे। यह सम्मेलन 1982 के बाद बिहार में हो रहा है। तब कांग्रेस के राधा नंदन झा विधानसभा अध्यक्ष थे। इस सम्मेलन में देशभर के पीठासीन पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा 28 राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, 6 विधानसभा परिषद के सभापति और केंद्र शासित प्रदेशों के स्पीकर समेत करीब 300 अतिथि शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरिवंश भी मौजूद रहेंगे। अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन, भारत के विधायी निकायों की सर्वोच्च संस्था है। सम्मेलन के आयोजक लोकसभा सचिवालय होते हैं। पटना में यह सम्मेलन इससे पहले 1982 में हुआ था। अभी देश के 22 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों में विधानसभा हैं। जबकि 6 राज्यों में विधानसभा और विधान परिषद दोनों हैं। सम्मेलन में लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारी भी शामिल होते हैं। सम्मेलन में शामिल होने वाले सभी अतिथि पटना पहुंच चुके हैं। सम्मेलन का समापन सत्र 21 जनवरी को सेंट्रल हॉल में होगा और इसके बाद सभी गेस्ट पटना के प्रमुख पर्यटन स्थलों जैसे हरि मंदिर साहिब गुरुद्वारा, बापू टावर, सभ्यता द्वार और बिहार संग्रहालय जाएंगे।

कटरा-बडगाम रेलवे ट्रैक पर अंतिम ट्रायल रन पूरा... अब दूर नहीं कश्मीर-कन्याकुमारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) प्रोजेक्ट के हिस्से कटरा-बडगाम रेलवे ट्रैक पर ट्रायल रन पूरा हो गया। 18 कोच की ट्रायल ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा रेलवे स्टेशन से कश्मीर की ओर रवाना हुई। ट्रायल की देखरेख कर रहे रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह यूएसबीआरएल का आखिरी टेस्ट रन है। सबकुछ सही और ठीक रहने पर इस प्रोजेक्ट को हरी झड़ी दे दी जाएगी।

41 हजार करोड़ रुपए की लागत से बने यूएसबीआरएल प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 272 किमी. है। इसमें 111 किमी. का रास्ता सुरंग के भीतर है। 12.77 किमी. लंबी टी-49 सुरंग इस प्रोजेक्ट में सबसे लंबी है। रियासी जिले में चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल भी प्रोजेक्ट का हिस्सा है। पुल की लंबाई 1315 मीटर, जबकि नदी तल से ऊंचाई 359 मीटर है। इस पुल को बनाने में करीब 20 साल का वक्त लगा, जबकि 1486 करोड़ रुपए की निर्माण लागत आई है।

भारतीय रेलवे ने प्रोजेक्ट के जरिए एक और उपलब्धि अपने नाम पर दर्ज की है। अंजी खड्ड पर बनाया गया पुल भारतीय रेलवे का पहला केबल-स्टेड पुल है। यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इस सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला इमारत के बराबर ऊंचा है। यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है जो रियासी जिले को कटरा से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी माह 7 किलोमीटर है। इस पुल की कुल लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है। जून, 2024 में हुआ था पहला ट्रायल रन जम्मू के रामबन में संगलदान और रियासी के बीच ट्रेन का पहला ट्रायल रन जून, 2024 में हुआ था। यह ट्रेन चिनाब ब्रिज से भी होकर गुजरी थी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसके सफल परीक्षण की जानकारी दी थी। चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से भी ऊंचा है। एफिल टावर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि 1.3 किमी लंबे इस ब्रिज को चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है।

संविधान पर हो रहा हमला, कांग्रेस बोली- राष्ट्रविरोधी बयान के लिए मोहन भागवत को मांगनी होगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में अपनी 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली से पहले, कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि संविधान पर हमला हो रहा है और अपनी मांग दोहराई कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को स्वतंत्रता आंदोलन पर दिए गए राष्ट्रविरोधी बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। विपक्षी दल ने यह भी दावा किया कि महात्मा गांधी का अपमान किया जा रहा है और बीआर अंबेडकर पर हमला किया जा रहा है।

कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि कल कांग्रेस की जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली बेलगावी में होगी। यह 27 दिसंबर, 2024 को होना था लेकिन डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बेलगावी में ही महात्मा गांधी ने 26 दिसंबर, 1924 को कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाला था। आज महात्मा गांधी का अपमान किया जा रहा

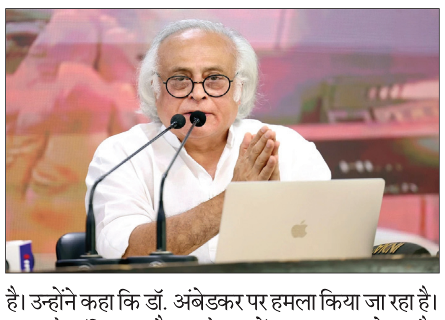

है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर पर हमला किया जा रहा है। भारत के संविधान और उसके मूल्यों पर आक्रमण हो रहा है।

जयराम रमेश ने कहा कि बेलगावी रैली महात्मा गांधी और डॉ. अंबेडकर की विरासत को संरक्षित करने और उन्हें आगे ले जाने के कांग्रेस के दृढ़ संकल्प की पुष्टि है। इसके बाद 27 जनवरी को डॉ. अंबेडकर की जन्मभूमि महू में भी इसी तरह की रैली होगी। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत को 14 जनवरी 2025 को स्वतंत्रता आंदोलन को लेकर दिए अपने घृणित और राष्ट्र-विरोधी बयान के लिए माफी मांगनी होगी। केंद्रीय गृह मंत्री को 17 दिसंबर, 2024 को संसद में डॉ. अंबेडकर पर की गई अपनी अपमानजनक टिप्पणी के लिए इस्तीफा देना होगा और माफी मांगनी होगी।

कांग्रेस ने बार-बार यह भी आरोप लगाया है कि शीतकालीन सत्र के दौरान संविधान पर बहस के दौरान राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी से पता चलता है कि भाजपा और आरएसएस नेताओं को अंबेडकर के प्रति बहुत नफरत है और उनसे माफी की मांग की गई है। पार्टी के एक परिपत्र में कहा गया था कि महू में रैली संविधान की 75वीं वर्षगांठ और भारत के गणतंत्र की स्थापना के साथ-साथ सत्तारूढ़ शासन द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर की विरासत पर कथित हमले का जश्न मनाएगी।

अंतरराष्ट्रीय साजिश की दलील को खारिज नहीं किया जा सकता : अदालत

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने रविवार को सैफ अली खान पर हमला मामले में गिरफ्तार एक व्यक्ति को 24 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया और कहा कि अंतरराष्ट्रीय साजिश से संबंधित पुलिस की दलील को खारिज नहीं किया जा सकता है। पुलिस ने अदालत को बताया कि कथित हमलावर बांग्लादेशी नागरिक था और उसकी करनी के पीछे के मकसद का पता लगाने की जरूरत है। पुलिस ने अदालत से यह भी कहा कि उन्हें यह पता लगाने की जरूरत है कि इस मामले का संबंध किसी अंतरराष्ट्रीय साजिश से है या नहीं। रिकॉर्ड पर मौजूद दस्तावेजों पर गौर करने के बाद पुलिस की दलील को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा लगाए गए अंतरराष्ट्रीय साजिश के आरोप को असंभव नहीं कहा जा सकता।

इससे पहले दिन में पुलिस ने मीडिया को बताया था कि कथित हमलावर मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद एक बांग्लादेशी नागरिक था जिसने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद अपना नाम बदलकर बिजॉय दास रख लिया था। उसे ठाणे शहर से सटे इलाके से पकड़ा गया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 311 (लूट या डकैती के दौरान गंभीर चोट या मौत), 331(4) (घर में घुसना) तथा पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा था कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, वह 16 जनवरी को तड़के चोरी के इरादे से बांद्रा में सतगुरु शरण इमारत में बॉलीवुड ऐक्टर के घर में दाखिल हुआ था।

जम्मू-कश्मीर में रहस्यमयी बीमारी से हो रही मौतों के बाद झरने को किया सील

बुधल गांव की घेराबंदी कर 24 घंटे झरने पर नजर रखने सुरक्षाकर्मी तैनात

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बुधल गांव में तीन परिवारों के 17 सदस्यों की रहस्यमयी बीमारी से मौतों की चल रही जांच के बीच अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र एक झरने को सील कर दिया है। झरने के पानी में कुछ कीटनाशकों की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। इस वजह से लोग डरे हुए हैं। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि बुधल गांव के झरने से लिए गए पानी के नमूनों में कुछ कीटनाशकों मिले हैं। इसको पीएचई डिवीजन राजौरी ने अवरुद्ध कर दिया है और संबंधित मजिस्ट्रेट ने सील कर दिया है।

ऐसी आशंका है कि गांव की आदिवासी आबादी चोरी-छिपे इस झरने के पानी को इकट्ठा कर सकती है। इसलिए तहसीलदार यह सुनिश्चित करें कि कोई भी ग्रामीण किसी भी हालत में इस झरने के पानी का इस्तेमाल न करे। इसकी घेराबंदी कर दी गई है। उन्होंने राजौरी जिले के बुधल गांव की घेराबंदी करने और वहां 24 घंटे 2 से 3 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का निर्देश दिए हैं।

बता दें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जम्मू के राजौरी जिले में रहस्यमयी बीमारी से मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए गृह मंत्रालय की अगुवाई में एक टीम के गठन का आदेश दिया था। यह टीम रहस्यमयी बीमारी से मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। इस टीम की जम्मू-कश्मीर के फोरेंसिक साइंस, पशुपालन और खाद्य सुरक्षा विभाग भी मदद कर रहे हैं।

राजौरी के सरकारी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल की अध्यक्षता में स्थानीय डॉक्टरों की एक टीम ने लोगों की आशंकाओं को दूर करने के लिए बुधल गांव में थी। उन्होंने लोगों को बताया कि विषाक्त पदार्थों से मस्तिष्क को नुकसान हो सकता है, जो तुरंत इलाज न किए जाने पर अपरिवर्तनीय हो सकता है। ज्यादातर मरीज विषाक्त पदार्थों के कारण अपरिवर्तनीय मस्तिष्क क्षति होने के बाद अस्पताल पहुंचे थे, जिसके बारे में डॉक्टर ज्यादा कुछ नहीं कर सके थे।

महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं का तांता- अब तक गंगा में 8.26 करोड़ लोगों ने लगाई आस्था की डूबकी

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में गंगा में आस्था की डूबकी लगाने के लिए देश विदेश से श्रद्धालुओं का आना जारी हैं। यूपी सरकार द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक़ त्रिवेणी संगम पर आज 22.79 लाख से अधिक तथा अब तक 8.26 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। प्रयागराज में चल रहा महाकुंभ मेला 13 जनवरी 2025 से शुरू होकर 26 फरवरी 2025 तक चलेगा। इस दौरान देश-विदेश से लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। महाकुंभ का यह आयोजन हर 12 साल में होता है और यह दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेलों में से एक माना जाता है। श्रद्धालु गंगा के पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाने के लिए यहां आते हैं।

वहीं कुंभ मेले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात में दिव्य महाकुंभ का महत्व भी बताया। मन की बात के 118वें संबोधन में बोले, महाकुंभ समता समरसता का असाधारण संगम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 118वें एपिसोड में कहा, मेरे प्यारे देशवासियों, प्रयागराज में महाकुंभ का श्रीगणेश हो चुका है। यह चिरस्मरणीय जन-सैलाब, अकल्पनीय दृश्य समता-समरसता का असाधारण संगम है। इस बार कुंभ में कई दिव्य योग भी बन रहे हैं।

वहीं आगे प्रधानमंत्री ने कहा हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है। इसमें भारत के दक्षिण, पूर्व और पश्चिम से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब-अमीर सब एक हो जाते हैं। सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं, एक साथ भंडारों में भोजन करते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। तभी तो कुंभ एकता का महाकुंभ है। कुंभ का आयोजन हमें ये भी बताता है कि कैसे हमारी परंपराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं।

कर्नाटक बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष को लेकर मचा बवाल, विधायकों ने खोला मोर्चा

*** प्रभारी शिवराज सिंह बोले- नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए कराया जाएगा चुनाव**

बेंगलुरु (एजेंसी)। नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव से पहले कर्नाटक बीजेपी में गुटबाजी और कलह इतनी बढ़ गई है कि पार्टी के नेता सार्वजनिक सभाओं में एक-दूसरे की खिंचाई कर रहे हैं। कर्नाटक बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के खिलाफ विधायक बसनगौड़ा आर पाटिल यतनाल और रमेश जारकीहोली ने मोर्चा खोल दिया है। विधायक जारकीहोली ने उन्हें बच्चा बताया और दावा किया वह लंबे समय तक पार्टी अध्यक्ष पद पर नहीं रहेंगे।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया है कि दोनों विधायक कांग्रेस के इशारे पर पार्टी में कलह कर रहे हैं और उनके पिता बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ अनाप-शनाप बोल रहे हैं। इसकी शिकायत केंद्रीय नेतृत्व से करेंगे ताकि उन्हें पार्टी से बाहर किया जा सके। कर्नाटक में बीजेपी के दो गुटों में लंबे समय से खींचतान चल रही है। कर्नाटक बीजेपी चीफ को लेकर बवाल मचा है। पार्टी के कई नेता और विधायक पार्टी में यदियुरप्पा के वर्चस्व को चुनौती दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक बीजेपी के प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने संकेत दिए हैं कि राज्य में नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन के लिए चुनाव कराया जाएगा। इसके बाद से प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के विरोधी गुट के नेता और मुखर हो गए। दोनों गुटों में जुबानी जंग छिड़ गई है। विजयेंद्र ने पूर्व सीएम येदियुरप्पा को भला-बुरा कहने के लिए गोकक विधायक रमेश जारकीहोली को चेतावनी दे दी है।

विजयेंद्र ने कहा कि रमेश जारकीहोली को अपनी जुबान पर काबू रखें। येदियुरप्पा एक राजनेता और कार्यकर्ता हैं। उन्होंने अनंत कुमार के साथ मिलकर राज्य के कोने-कोने की यात्रा करके पार्टी का निर्माण किया है। जारकीहोली हाल ही में पार्टी में शामिल हुए हैं। दिग्गज नेता के बारे में अनाप-शनाप बोलकर वह पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। उन्होंने विधायक जारकीहोली को सलाह दी कि अगर उन्हें पार्टी के कामकाज से समस्या है तो दिल्ली में नेताओं के साथ बात करनी चाहिए।

इसके जवाब में विधायक रमेश जारकीहोली ने बीवाई विजयेंद्र को चुनौती दे दी। उन्होंने कहा कि विजयेंद्र ने मुझे चेतावनी दी है कि मैं राज्य में कहीं भी स्वतंत्र रूप से नहीं घूम सकता। अब मैं शिकारीपुरा जाऊंगा और विजयेंद्र के घर के सामने अपना आंदोलन शुरू करूंगा। मैं कोई पुलिस या बंदूकधारी के साथ नहीं बल्कि अकेले जाऊंगा। बेलगावी में एक सार्वजनिक रैली में बोलते हुए जारकीहोली ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि विजयेंद्र, आप एक बच्चा हैं। आप प्रदेश अध्यक्ष नहीं रहेंगे। येदियुरप्पा हमारे नेता हैं और हमने हमेशा उनका सम्मान किया है।

दोनों विधायकों के बयान के बाद विजयेंद्र समर्थकों और पूर्व मंत्रियों एमपी रेणुकाचार्य और कट्टा सुब्रमण्य नायडू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यतनाल और जरकीहोली को पार्टी से निष्कासित करने की मांग की। विजयेंद्र समर्थकों ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष पहले ही राजनीति में अपनी पहचान बना चुके हैं और अपने

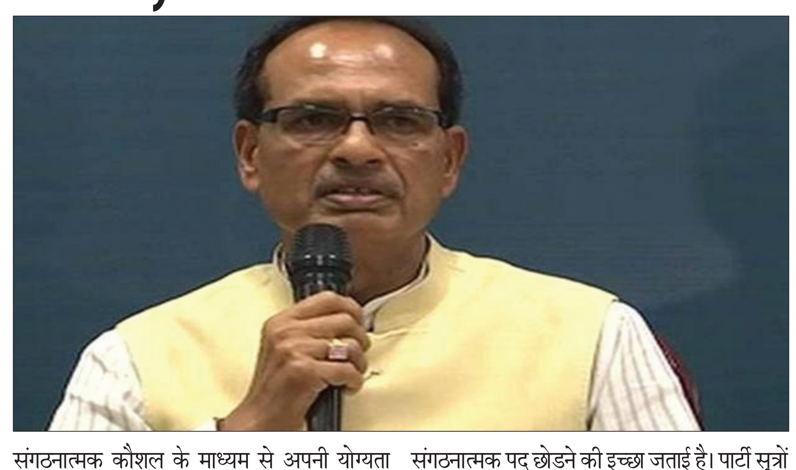

संगठनात्मक कौशल के माध्यम से अपनी योग्यता साबित कर चुके हैं। उनके खिलाफ अब इस तरह की आलोचना बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस बीच बीजेपी के राज्य महासचिव और पूर्व मंत्री वी सुनील कुमार संगठनात्मक पद छोड़ने की इच्छा जताई है। पार्टी सूत्रों ने का कहना है कि उन्हें अभी तक सुनील कुमार से इस संबंध में कोई औपचारिक अनुरोध नहीं मिला है।

पॉप सिंगर आमिर तातालू को ईशनिंदा के आरोप में मिली सजा-ए-मौत

-चोरी छिपे तुर्की में रह रहा था, 2023 में गिरफ्तार कर ईरान को सौंपा

तेहरान। ईरान की कोर्ट ने मशहूर पॉप सिंगर आमिर तातालू नाम से मशहूर अमीर हुसैन मघसूदलू को सजा-ए-मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उसे ईशनिंदा के आरोप में दोषी ठहराया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईशनिंदा समेत अन्य अपराधों के लिए पूर्व में दी गई पांच साल की जेल की सजा पर अभियोजक की आपत्ति स्वीकार कर ली है। इसलिए उन्हें अब सजा-ए-मौत की सजा सुनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले को फिर से खोला गया। जब जांच की गई तो सरकार की ओर से कही बात सही पाई गई। पॉप सिंगर आमिर तातालू पर पैगंबर साहब का अपमान करने का दोषी पाया गया है। इसलिए उसे मौत की सजा सुनाई गई है। यह फैसला अंतिम नहीं है और इसके खिलाफ अभी भी अपील की जा सकती है। 37 साल के आमिर तातालू 2018 से तुर्की के इस्तांबुल में छिपकर रह रहे थे, लेकिन तुर्की पुलिस ने दिसंबर 2023 में उन्हें गिरफ्तार कर ईरान को सौंपा था। तब से वह ईरान में हिरासत में हैं। आमिर तातालू को फ्वेश्यावृत्तिफ्र को बढ़ावा देने के लिए भी 10 साल की सजा सुनाई थी। उन पर इस्लामी गणराज्य के खिलाफ 'दुष्प्रचार' करने और 'अश्लील सामग्री' शेयर करने का आरोप था। रैप, पॉप और आर एंड बी के कंपोजीशन के लिए मशहूर टैटू गायक को पहले भी कई आरोप लगाए गए थे। आमिर तातालू ने 2017 में ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के साथ एक अजीबोगरीब टेलीविजन चर्चा की थी। बाद में रईसी की एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। 2015 में तातालू ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के समर्थन में एक गाना भी बनाया था जो बाद में 2018 में डोनाल्ड ट्रम्प के पहले अमेरिकी राष्ट्रपतित्व काल के दौरान सामने आया।

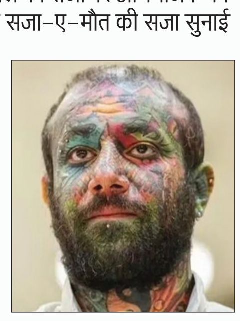

दोस्ती या दुश्मनी दोनों में दो कदम आगे है इजरायल, 3 के बदले 90 फिलिस्तीनी कैदियों को किया रिहा

तेलअवीव। इजरायल वो देश है जो दोस्ती और दुश्मनी दोनों में आगे रहता है। हमास से दुश्मनी हुई तो इजरायल ने मटियामेट करके ही दम लिया। अब दोस्ती की बात हुई तो उन्होंने तीन बंधकों को रिहा किया तो बदले में इजरायल ने 90 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रक्रिया तीन इजरायली बंधकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए रेड क्रॉस को हमास से मुलाकात के बीच हुई है। तीनों महिला बंधकों को रिहा किया जा चुका है। तीन महिलाएं 28 वर्षीय ब्रिटिश-इजरायली एमिली डमारी, 30 वर्षीय पशु-चिकित्सा नर्स डोरोन स्टीनब्रेचर और 23 वर्षीय रोमी गोनेन, जिन्हें नोवा संगीत समारोह से अगवा किया गया था। 471 दिनों की कैद के बाद मुक्त होने वाली पहली बंधक थी। उनकी रिहाई समझौते के प्रारंभिक चरण को चिह्नित करती है, जिसमें हमास द्वारा 33 इजरायली बंधकों और इजरायल द्वारा 990 से 1,650 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहा होंगे। समझौते के तहत 90 फिलिस्तीनी कैदियों के पहले समूह को रेड क्रॉस को सौंपने से पहले चिकित्सा जांच और पहचान प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा। जिनमें ज्यादातर पश्चिमी तट और पूर्वी येरुशलम से महिलाएं और बच्चे थे। बदले में, हमास ने रेड क्रॉस के माध्यम से तीनों इजरायली बंधकों को गाजा सीमा के पास इजरायली बलों को सौंप दिया, जहां उन्हें उनके परिवारों से मिला दिया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस क्षण को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, तीनों को नरक से गुजरना पड़ा। आईडीएफ प्रवक्ता डैनियल हगारी ने उनकी वापसी के लिए आभार व्यक्त किया तथा इस बात पर बल दिया कि इजरायली सेना समझौते के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ एक्ट करने को तैयार है। युद्ध विराम समझौता, जिसका उद्देश्य गाजा में 15 महीने से अधिक समय से चल रहे इजरायली हवाई हमलों के बाद शत्रुता को रोकना है।

दबदबा : इधर ट्रंप ने कहा टिकटॉक को बचाएंगे उधर तत्काल हट गया प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पूरी दुनिया में दबदबा है। उन्होंने शपथ भी नहीं ली इससे पहले ही उनका दबदबा दिखाई देने लगा है। इसकी बानगी उस समय देखने को मिली जब टिकटॉक पर इधर प्रतिबंध लगा, उधर ट्रंप ने कहा कि हम टिकटॉक को बचाने का प्रयास करेंगे। इतना कहते ही 24 घंटे भी नहीं हुए कि प्रतिबंध हटा और तत्काल सेवाएं बहाल कर दी गई। ट्रंप ने कहा है कि वे सोमवार को शपथ लेने के बाद इस ऐप की एक्सेस का रिव्यू करेंगे। शपथ ग्रहण से पहले एक रैली में ट्रंप ने कहा कि टिकटॉक को बचाने के अलावा और कोई ऑप्शन नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका चाहता है कि इस ऐप को चलाने के लिए एक ज्वाइंट वेंचर बनाया जाए। टिक टॉक पर लंबे समय से अमेरिका में सिक्योरिटी और डेटा प्राइवेसी को लेकर सवाल उठते रहे हैं। इसे लेकर कई बार बैन का खतरा भी मंडराया। अब देखने वाली बात यह होगी कि ट्रंप के रिव्यू के बाद टिकटॉक को लेकर क्या नया फैसला लिया जाएगा। अमेरिका में करीब 17 करोड़ लोग टिकटॉक का इस्तेमाल करते हैं। ट्रंप ने कहा है कि वह टिकटॉक के बैन को फिलहाल टाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह कमांडर राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी समझौते पर पहुंचने के लिए उठाया गया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि टिकटॉक के मालिकाना हक में अमेरिका की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हो। इसके लिए उन्होंने ज्वाइंट वेंचर का सुझाव दिया है। उन्होंने उन कंपनियों को कार्रवाई से राहत देने का आश्वासन भी दिया है, जिन्होंने टिकटॉक को बैन से बचाने के लिए प्रयास किए थे।

जाते जाते बाइडन ने मार्कस गार्वे और 4 अन्य को क्षमा किया

वॉशिंगटन। आज नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इससे पहले अमेरिका के निवृत्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को अश्वेत राष्ट्रवादी मार्कस गार्वे को मरणोपरांत क्षमा कर दिया। गार्वे को 1920 के दशक में मेल धोखाधड़ी के लिए दोषी ठहराया गया था और वे मैल्कम एक्स जैसे नागरिक अधिकार नेताओं पर प्रभाव डालने के लिए जाने जाते थे। इसके अलावा, बाइडन ने वर्जीनिया हाउस ऑफ डेलीगेट्स के स्पीकर डॉन स्कॉट, अपराधी अधिकार कार्यकर्ता रवि रागबीर, केम्बा स्मिथ प्राडिया, बंदूक हिंसा रोकथाम अधिवक्ता डेरिल चैंबर्स को भी क्षमादान दिया। इस दौरान बाइडन ने कहा कि उनकी सजा राजनीति से प्रेरित थी।

आई चेकअप के जरिए स्ट्रोक के जोखिम का लगा सकते हैं पूर्वानुमान

वॉशिंगटन (ईएमएस)। नियमित आई चेकअप के जरिए स्ट्रोक के जोखिम का सटीक पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। इस बारे में शोधकर्ताओं ने पाया कि रेटिना में मौजूद रक्त वाहिकाओं के पैटर्न और उनके स्वास्थ्य के संकेत स्ट्रोक के जोखिम का पूर्वानुमान लगाने में सहायक हो सकते हैं। यह शोध ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित सेंटर फॉर आई रिसर्च (सीईआरए) द्वारा किया गया, जिसमें आंखों और स्ट्रोक के बीच गहरा संबंध पाया गया है। रेटिना में रक्त वाहिकाओं की संरचना में 118 अलग-अलग स्वास्थ्य संकेत होते हैं, जिनमें से 29 संकेत स्ट्रोक के खतरे से सीधे जुड़े पाए गए। इस विश्लेषण के लिए फंडस फोटोग्राफी तकनीक का उपयोग किया गया, जो आई टेस्टिंग में सामान्य रूप से इस्तेमाल की जाती है। शोध के तहत यूके के 45,161 लोगों की आंखों की फंडस फोटो का अध्ययन किया गया। 12.5 वर्षों की औसत निगरानी अवधि में इन प्रतिभागियों में से 749 लोगों को स्ट्रोक का अनुभव हुआ। इस डेटा को मशीन लर्निंग टूल की मदद से रेटिना-आधारित माइक्रो वैस्कुलर हेल्थ असेसमेंट सिस्टम के जरिए विश्लेषित किया गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि रेटिना के संकेतों को आयु और लिंग जैसे सामान्य कारकों के साथ मिलाकर स्ट्रोक के जोखिम का आकलन करने के लिए एक सरल और प्रभावी तरीका विकसित किया जा सकता है। यह प्रणाली न केवल स्ट्रोक के जोखिम की पहचान करने में मदद कर सकती है, बल्कि इससे स्ट्रोक से होने वाली विकलांगता और मृत्यु दर को कम करने की दिशा में भी बड़े कदम उठाए जा सकते हैं। गौरतलब है कि स्ट्रोक एक गंभीर समस्या है, जो दुनिया भर में हर साल 10 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित करता है और 67 लाख मौतों का कारण बनता है।

गाजा के एक शिविर में हमास और इजरायल के बीच संघर्षविराम पर खुशी जताते हुए लोग, इस दौरान एक व्यक्ति बच्चे को हवा में उछालता हुआ।

अमेरिका के जंगलों की आग बुझी भी नहीं थी कि बर्फबारी का मंडराया खतरा, 7 करोड़ लोग होंगे प्रभावित

बोस्टन। अमेरिका के लॉस एंजलिस के जंगलों में लगी आग अभी बुझी भी नहीं थी बर्फबारी ने एक नई दहशत फैला दी है। नेशनल वेदर सर्विस ने भारी हिमपात की वॉर्निंग जारी की है। कुछ इलाकों में तो मौसम ने कहर बरपाना शुरू भी कर दिया है। आर्कटिक ब्लास्ट के कारण हालात काफी भयावह होने वाले हैं। मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए सभी इमरजेंसी सर्विस को अलर्ट पर रहने को कहा गया है। साथ ही आमलोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। ईस्ट कोस्ट के लाखों निवासी रविवार को कई इंच बर्फबारी और उसके बाद खतरनाक ठंड के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। विंटर स्टॉर्म नॉर्थ प्लेन्स से लेकर मेन तक देश के अधिकांश हिस्सों में फैल जाएगा। नेशनल वेदर सर्विस द्वारा जारी विंटर स्टॉर्म की चेतावनी पहले ही मिड-अटलांटिक के कुछ हिस्सों के लिए सोमवार सुबह तक प्रभावी हो चुकी हैं। जिनमें आधे फुट (15 सेंटीमीटर) तक बर्फ गिरने का अनुमान है। रविवार दोपहर से न्यू इंग्लैंड में मौसम विभाग की वॉर्निंग प्रभावी हो जाएगी। मैसाचुसेट्स, न्यू हैम्पशायर, मेन और कनेक्टिकट के कुछ हिस्सों में 10 इंच (25 सेंटीमीटर) तक बर्फ गिरने की संभावना जताई गई है। नेशनल वेदर सर्विस के मैरीलैंड के मौसम विज्ञानी मार्क चेनार्ड ने अनुमान लगाया कि आने वाले दिनों में न्यू इंग्लैंड और मिड-अटलांटिक सहित लगभग 70 मिलियन (7 करोड़) निवासी किसी न किसी प्रकार की विंटर स्टॉर्म की चेतावनी के तहत होंगे। फिलाडेल्फिया, न्यूयॉर्क और बोस्टन जैसे बड़े शहरों में भी कई इंच तक बर्फ गिर सकती है, जिनमें सबसे अधिक बर्फबारी प्रमुख शहरों के बाहर होगी। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन डीसी से लेकर पूरे ङ्ख-95 कॉरिडोर और फिर वहां से अंदरूनी हिस्सों में सड़क की स्थिति खतरनाक हो सकती है। इसके बाद काफी ठंड हो जाएगी। आर्कटिक ब्लास्ट के चलते आने वाले समय में मौसमे और तल्ख तेवर का सामना करना पड़ सकता है।

शपथ से पहले ट्रंप ने निकाली विक्ट्री रैली, बोले रूस-यूक्रेन जंग भी कराऊंगा खत्म

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने विक्ट्री रैली की। शपथ ग्रहण की पूर्व संध्या पर ट्रंप ने समर्थकों से कहा कि वह यूक्रेन में युद्ध भी खत्म करा देंगे और पश्चिम एशिया में अराजकता को बढ़ने से रोकेंगे। दावा किया कि अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए भी सबसे आक्रामक अभियान चलाने का आदेश देंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने उद्घाटन भाषण और कार्यकारी आदेशों की झड़ी को लेकर एक खाका खींच दिया। आत्मविश्वास के साथ कहा कि वे पदभार संभालते ही इन आदेशों को जारी करने की योजना बना रहे हैं।

रविवार को वाशिंगटन डीसी में आयोजित विक्ट्री रैली में उन्होंने दावा किया, मैं यूक्रेन में युद्ध समाप्त करूंगा।मैं मध्य पूर्व (जैसा कि पश्चिम में पश्चिम एशिया के रूप में जाना जाता है) में अराजकता को रोकूंगा, और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोकूंगा और आपको पता नहीं है कि हम कितने करीब हैं। दरअसल, यूक्रेन रूस के सामने 2023 से ही डटा हुआ है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि उसे मुख्य रूप से अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों के गठबंधन का पूरा समर्थन प्राप्त है। जो बाइडेन प्रशासन ने उनकी पूरी मदद की है। ट्रंप लगातार युद्ध समाप्त कराने का संकेत देते रहे हैं।

ट्रंप ने अमेरिका में सभी अवैध प्रवेश को समाप्त करने के लिए तेजी से आगे बढ़ने की अपनी इच्छा दोहराई है। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को अपने उद्घाटन भाषण में ऐसी घोषणाएं करेंगे जो हमारी सीमाओं को बहाल करने के लिए दुनिया में अब तक का सबसे आक्रामक, व्यापक प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि वह तेल की खोज और ड्रिलिंग को मुक्त करने के लिए जलवायु नियमों में कटौती करेंगे, जिसे वे लिक्विड गोल्ड कहते हैं, वह कंपनियों को वापस लाएंगे और अमेरिकी खरीदने और अमेरिका की नीतियों को बढ़ावा देंगे, करों और सरकारी नौकरशाही को कम करेंगे, और सरकारी मामलों में पारदर्शिता को बढ़ावा देंगे।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून को सोल डिटेंशन सेंटर भेजा, सुकून से बिताई रात

सोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल को गिरफ्तार करने के बाद सोल डिटेंशन सेंटर भेजा गया है। मीडिया रिपोर्ट में सोमवार को कोरिया सुधार सेवा के कमिशनर ने बताया कि यून को सोल के दक्षिण में उईवांग स्थित हिरासत केंद्र के 12 वर्ग मीटर वाले सेल में ले जाया गया। ये कार्यवाही सोल पश्चिमी जिला न्यायालय द्वारा उसकी औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी करने के बाद की गई थी।

नेशनल असेंबली की कानून और न्यायपालिका समिति के सत्र के दौरान सांसदों से कहा कि यून को संदिग्धों के लिए बनाए गए कमरे से सामान्य हिरासत विंग में भेजा गया और उन्होंने रात आराम से बिताई। रिपोर्ट के मुताबिक यून की सेल, जो आम तौर पर पांच या छह लोगों के लिए होती है, उसी आकार की है, जैसे पिछली बार हिरासत में रखे गए राष्ट्रपतियों की सेल थी। अधिकारी ने सांसदों को बताया कि यून ने अपनी हिरासत की आधिकारिक प्रक्रियाओं में सहयोग किया, जैसे कि मग शॉट लेना और शारीरिक परीक्षा से गुजरना। साथ ही, उनकी सुरक्षा के लिए एक विशेष सुधार अधिकारी को नियुक्त किया है।

इससे पहले यून के वकीलों ने कहा था कि वह सोमवार को मार्शल लॉ के नाकाम प्रयास के संबंध में आगे की पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिन पेश नहीं होने के बाद भ्रष्टाचार जांच कार्यालय ने यून को पूछताछ के लिए आने का आदेश दिया। अगर वह आदेशों का पालन नहीं करते, तो उम्मीद की जा रही है कि वह उन्हें मजबूर करके लाएगी या फिर सियोल डिटेंशन सेंटर में जाकर उनसे मिलेगी। यून को रविवार तड़के औपचारिक गिरफ्तारी में रखा गया था, जब एक अदालत ने सबूतों को मिटाने की आशंका के कारण उसकी हिरासत की अवधि बढ़ाने के लिए वारंट जारी किया था।

जयशंकर ने वाशिंगटन में कीं जापान, ऑस्ट्रेलिया के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वाशिंगटन में ऑस्ट्रेलिया और जापान के अपने समकक्षों के साथ बैठकें कीं और इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय मुद्दों तथा 'क्वाड' से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। 'क्वाड' डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पहले कार्यकाल की पहल है, इसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पुष्टि किए जाने और विदेश मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद मार्को रूबियो की अंतरराष्ट्रीय बैठकों के क्रम में 'क्वाड' मंत्रिस्तरीय बैठक उनकी पहली प्राथमिकता होगी। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात के बाद जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज वाशिंगटन में क्वाड की सहयोगी विदेश मंत्री सीनेटर वोंग से मिलकर खुशी हुई। हमेशा की तरह दुनिया के हालात पर हमने चर्चा की।'' जापान के विदेश मंत्री के साथ अपनी बैठक के बाद एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, ''जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया से मिलकर अच्छा लगा। हमने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। 'क्वाड' से संबंधित घटनाक्रमों पर भी चर्चा की।'' सत्ता हस्तांतरण टीम से जुड़े सूत्रों के अनुसार, रूबियो और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप भारत-अमेरिका संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने को प्राथमिकता देंगे। सूत्रों ने कहा कि विदेश मंत्री के रूप में अपने नाम की पुष्टि होने के बाद रूबियो जयशंकर के साथ अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक करने के इच्छुक हैं।

इजरायली महिला बंधकों को गिफ्ट बैग दे रहा हमास, क्यों बना चर्चा का केंद्र

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा में युद्धविराम होने के बाद सबसे पहले हमास ने तीन इजरायली महिला बंधकों को रिहा किया। इस दौरान जिस एक खास बात ने सभी का ध्यान खींचा, वे ये थी कि गाजा पट्टी से रिहा की गई तीनों बंधकों को हमास ने रेड क्रॉस को सौंपे जाने से पहले गिफ्ट बैग दिए। वीडियो और तस्वीरों में गाजा की कैद से छूटी बंधकों रोमी गोनेन, एमिली डमारी और डोरोन स्टीनब्रेचर को इन गिफ्ट बैग को पकड़े हुए और इन्हें खोलकर दिखाते भी देखा जा सकता है।

रिपोर्टों के अनुसार, हमास की ओर से दिए गए बैग में हमास की कैद के दौरान की उनकी कुछ तस्वीरें और एक मोमेंटो शामिल है। हमास ने कथित तौर पर तीनों महिलाओं को गाजा में बिताए उनके वक्त की यादगार के तौर पर ये गिफ्ट दिया है। हमास लड़ाकों ने तीनों को पश्चिमी गाजा शहर के अल-रिमल पड़ोस में अल-सरया स्क्वायर में रेड क्रॉस को सौंपा।

इजरायल लौटने के बाद तीनों महिलाओं ने अपने परिवार के सदस्यों को गले लगाया। हमास की कैद से इजरायल लौटी तीनों महिलाओं ने राहत की सांस ली है। एमिली की मां ने कहा कि 471 दिनों बाद बेटी के घर आने से वे खुश हैं। डोरोन और रोमी के परिवार ने भी युद्ध विराम समझौते में शामिल सभी पक्षों को धन्यवाद दिया है। बात दें कि युद्धविराम समझौते की शर्तों के हिसाब से चरण में हमास अगले छह सप्ताह में 33 इजरायली बंधकों को रिहा करेगा। इसके बदले में इजरायल की ओर से फिलिस्तीन के 2,000 कैदियों और बंदियों को अपनी जेलों से रिहा करेगा। समझौते के तहत एक इजरायल बंधक के बदले में इजरायली सरकार और सेना 30 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा। रविवार को इजरायल ने 90 फिलिस्तीनियों को रिहा किया है।

कर्नाटक में रुसी रेडार : चीन-पाकिस्तान की मिसाइलों पर रखेगा नजर

-8000 किमी है रेंज, एक के बाद एक सैकड़ों लक्ष्यों को कर सकता है ट्रैक

मास्को (एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देश चीन-पाकिस्तान बड़े पैमाने पर परमाणु मिसाइलों का निर्माण कर रहे हैं। अब भारत ने भी इन दोनों पड़ोसी देशों को मात देने कमर कस ली है। भारत कर्नाटक में चालकेरे में बने डीआरडीओ के कैंपस में रूस का महाशक्तिशाली रेडार वोरोनेझ लगा रहा है। इस रूसी रेडार वोरोनेझ की रेंज 8000 किमी है और इसे 10000 किमी तक बढ़ाया जा सकता है। यह रूसी रेडार कर्नाटक में लगाए जाने के बाद भी पाकिस्तान और चीन की निगरानी कर सकता है। यह रूसी रेडार बलिस्टिक मिसाइल, स्टील्थ एयरक्राफ्ट और कई तरह के हवाई खतरों का पता लगाने और उसका जवाब देने में भी माहिर है।

कर्नाटक से चीन के बीच दूरी 1800 किमी है लेकिन यह रेडार अपनी 8 हजार किमी तक की क्षमता की वजह से वहां तक निगरानी करने में सक्षम है। यह रूसी रेडार कई वेबबैंड पर काम कर सकता है। इससे यह कई भूमिका में काम करने में सक्षम है। यह रेडॉर एक के बाद एक सैकड़ों लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है। भारत इसकी मदद से दुश्मन की आने वाली मिसाइलों का पता लगा सकेगा और उसे तबाह कर सकेगा। भारत इससे देश के लिए एक व्यापक सुरक्षा कवच तैयार कर सकेगा।

भारत को इस डील की मदद से रूस के बेजोड़ रेडार को बनाने की तकनीक के बारे में भी अहम जानकारी मिल सकेगी। इस रेडार का करीब 60 फीसदी हिस्सा भारत में ही बनाने का प्लान है। रूस का भारत को यह रेडार देना दोनों देशों के बीच बढ़ती दोस्ती को दर्शाता है। वह भी तब जब अमेरिका और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन युद्ध को देखते हुए रूस के खिलाफ कई तरह के कठोर प्रतिबंध लगा रखे हैं। इसके बाद भी भारत और रूस के बीच दशकों पुरानी दोस्ती मजबूत बनी हुई है।

विश्लेषकों का कहना है कि यह रेडार लगाना भारत का एक रणनीतिक कदम है। इससे भारत सीमा पर चौतरफा निगरानी कर सकेगा। भारत और रूस के बीच इस रेडार को लेकर 4 अरब डॉलर की डील हुई है। रूसी रेडार को अलमाज एंटे कंपनी ने बनाया है जो दुनिया के बेहतरीन एयर डिफेंस सिस्टम और रेडार प्रणाली को बनाने के लिए जानी जाती है। रूसी कंपनी का एक दल पिछले दिनों भारत के दौरे पर आया था। अभी तक दुनिया में केवल रूस, चीन और अमेरिका के पास ही इतना शक्तिशाली रेडार सिस्टम है।

चीन में पहली बार 2024 में शिशु जन्मदर में आई बढ़ोत्तरी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में साल 2016 के बाद पहली बार 2024 में शिशु जन्मदर में 17 फीसदी को बढ़ोत्तरी देखी गई है। यह सब संभव हुआ है कि नकद प्रोत्साहन योजना की बदौलत। चीन 2016 से लगातार जन्म दर में गिरावट देख रहा है।

पिछले सप्ताह जारी सरकारी आंकड़े के अनुसार, मध्य चीन के हुबेई प्रांत में करीब 10 लाख आबादी वाले शहर तियानमेन में 2023 की तुलना में 2024 में 1050 ज्यादा शिशुओं का जन्म हुआ है। यह आंकड़ा चीन के लिए एक उम्मीद की किरण बनकर आया है क्योंकि बुजुर्ग होती आबादी और घटते जन्म दर से चीन लंबे समय से परेशान है। ये दोनों स्थितियां चीन के दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी थीं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के तियानमेन शहर के आंगनों में गूंज रही किलकारियां स्थानीय सरकारों और प्रमुख कंपनियों की कैश स्कीम की बदौलत संभव हो सकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीसरा बच्चा पैदा करने के लिए चीन की नामी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी एक्सपेंग अपने कर्मचारियों को 30,000 यूआन यानी 3.53 लाख रुपये की नकद पेशकश कर रही हैं।

आधिकारिक हुबेई डेली की एक पुरानी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल 2024 में जनवरी से नवंबर के बीच 6530 बच्चों का जन्म हुआ है, जबकि इसी दौरान 2023 में 910 बच्चों का जन्म हुआ था। यानी 2023 की तुलना में 2024 में शिशु जन्म दर में 16 फीसदी का उछाल आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तियानमेन शहर में तीसरी संतान के माता-पिता बनने वाले लोगों को कुल 2,20,000 यूआन यानी करीब 26 लाख रूपये का नकद पुरस्कार दिया जाना है।

कुछ कंपनियां तीसरी संतान का माता-पिता बनने वाले कर्मचारियों को घर खरीदने के लिए 1.20 लाख का कूपन भी दे रही हैं, जबकि कुछ एकमुश्त नकद राशि दे रही हैं। इसके अलावा तीन साल तक बच्चे की देखभाल के लिए 1000 युआन की सब्सिडी भी दिया जा रहा है। कंपनियों ने चौथे और पांचवें बच्चों के जन्म पर भी इसी तरह की नकद प्रोत्साहन राशि देने का ऐलान किया है। पिछले कई वर्षों से जन्म दर में लगातार गिरावट झेल रहे

चीन में अब धीरे-धीरे खुशियां आने लगी हैं और लोगों के आंगन में किलकारियां गूंजने लगी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी की रहस्यमय मौत

सूरत के सचिन क्षेत्र में पत्नी की 12 दिन की बीमारी के बाद रहस्यमय मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पत्नी के रहस्यमय मौत का मामला सामने आया है। 12 दिन से बीमार पत्नी की मौत एक ट्रेन में यात्रा करते समय हुई। महिला अपने वतन जाने के लिए ट्रेन में बैठने जा रही थी, तभी पति की आंखों के सामने वह बेहोश हो गई और थोड़ी देर बाद मौत हो गई। महिला के पति के अनुसार, उनकी शादी सात महीने पहले हुई थी और पत्नी गर्भवती भी थी, एक महीने का गर्भ था। इस घटना के कारण परिवार में शोक की लहर है, और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूरत के सचिन इलाके में एक पत्नी की 12 दिन की बीमारी के बाद रहस्यमय मौत हो गई। बीमार पत्नी को लेकर पति आज उधना रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर अपने वतन जाने वाला था। हालांकि, इससे पहले जब वह एटीएम से पैसे निकालने के लिए खड़ा था, तब पत्नी अचानक बेहोश हो गई और बाद में उसकी मौत हो गई। यह उल्लेखनीय है कि महिला के सात महीने पहले विवाह हुआ था और वह एक महीने की गर्भवती थी।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक मूल रूप से बिहार का निवासी था और सूरत के सचिन इलाके में स्थित बर्फ फैक्ट्री के पास सोनू कुशवाह अपनी पत्नी के साथ रहता था। पांच महीने पहले रोज़गार की तलाश में सोनू अपनी पत्नी के साथ सूरत आया था। बर्फ की फैक्ट्री में काम करके सोनू अपने परिवार का गुज़ारा करता था। सोनू ने मुस्कान कुमारी से सात महीने पहले विवाह किया था और विवाह के दो महीने बाद वे सूरत आ गए थे।

मुस्कान एक महीने की गर्भवती थी। इस दौरान पिछले 12 दिनों से उसे चक्कर, उल्टी और बुखार जैसी समस्याएं हो रही थीं। उसकी इलाज एक नजदीकी निजी अस्पताल में चल रही थी, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। दो दिन पहले वह फिर से अस्पताल पहुंची थी, लेकिन वहां 5000 रुपये का खर्चा बताया गया था। चूंकि उसके पास पैसे नहीं थे, इसलिए वह सिविल अस्पताल आया, जहां उसे दवाइयां दी गईं। सिविल अस्पताल में मुस्कान का इलाज चल रहा था, इस दौरान सोनू मुस्कान को लेकर घर जा रहा था। आज सुबह सोनू और मुस्कान सामान लेकर अपने वतन जाने के लिए निकले थे। इस दौरान उधना रेलवे स्टेशन के पास सोनू एटीएम से पैसे निकालने के लिए अंदर गया था, जबकि मुस्कान बाहर खड़ी थी। जब सोनू पैसे निकालकर बाहर आया, तब तक मुस्कान बेहोश होकर वहीं गिर पड़ी थी। उसे तत्काल सिविल अस्पताल ले जाया गया।

सिविल अस्पताल में मुस्कान को लाने के बाद ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पत्नी की मौत के बाद पति गहरे सदमे में था और पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर लगातार रोता रहा। फिलहाल मुस्कान का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है, हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मुस्कान की मौत का असली कारण पता चल सकेगा।

हनीट्रैप का नया तरीका

महिला ने व्यापारी की कार में बैठकर शरीर सुख की पेशकश की; कमरे में बुलाकर वीडियो बनवाया और बाद में बदले लाखों रुपये ठग लिए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के एक व्यापारी का हनीट्रैप में फंसने का एक मामला सामने आया है। व्यापारी अपनी कार में जा रहे थे, तभी उन्होंने एक महिला को अपनी कार के पीछे आते देखा और कार रोक दी। जैसे ही व्यापारी ने कार रोकी, महिला कार में बैठ गई और शरीर सुख की पेशकश की। इसके बाद महिला व्यापारी को एक कमरे में ले गई और वहां उसने अपने साथियों के साथ मिलकर व्यापारी का नग्न वीडियो बना लिया। फिर इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर तीनों आरोपियों ने व्यापारी से 1.45 लाख रुपये की मांग की और उसे यह रकम ले ली। व्यापारी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

कार खड़ी करने पर महिला व्यापारी की कार में आकर बैठ गई। उतराण में रहने वाले 57 वर्षीय व्यापारी वराछा मिनीबाजार में हीरा की पेढी चलाते हैं। 24 दिसंबर को वे कार लेकर घर जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि एक मॉपेड सवार युवती लगातार उनकी कार का पीछा कर रही थी। यह देखकर उन्होंने कार उतराण के पास स्थित मॉल के पास खड़ी कर दी। युवती ने अपनी मॉपेड कार के पास पार्क की और सीधे दरवाजा खोलकर कार में बैठ गई। फिर उसने व्यापारी को शरीर सुख की पेशकश की और अपना मोबाइल नंबर देने के साथ-साथ व्यापारी से अपना नंबर भी लिया।

छह दिन बाद युवती का फोन आया और उसने खोडियारनगर के नाके पर मिलने के लिए बुलाया, जिसके बाद व्यापारी अपनी कार लेकर वहां पहुंच गया। व्यापारी को वराछा भागुनगर के पास एक मकान में ले जाया गया। उत्साहित व्यापारी ने अपने सारे कपड़े उतार दिए। जैसे ही युवती अपने कपड़े उतारने वाली थी, तभी बाहर से दरवाजे पर दस्तक हुई और मकान में पहले से मौजूद महिला को आवाज सुनाई दी कि तुम्हारा घरवाला आ गया है। दरवाजा खोला गया और दो युवक अंदर घुस आए, जिन्होंने व्यापारी की नग्न अवस्था का वीडियो मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया और उसे फंसाकर बुरी तरह से दबाव डाला।

टुकड़े-टुकड़े करके व्यापारी से पैसे ठग लिए गए। उसी समय व्यापारी के हाथ से एक लाख की कीमत वाली दो हीरा जड़ी बालियां ले ली गईं। नाम का मुख्य सूत्रधार व्यापारी को उसकी ऑफिस में ले गया और वहां से 30 हजार रुपये नकद लिए। कुछ दिनों बाद 15 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए गए। इसके बाद कुछ दिन बाद और 25 हजार रुपये की मांग की गई, और अगर व्यापारी ने रुपये नहीं दिए तो उसे बलात्कार के केस में फंसा देने की धमकी दी गई। डर के मारे व्यापारी वराछा पुलिस स्टेशन पहुंचा और हनीट्रैप करने वाले गैंग के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने निलेश अशोकगिरी गोस्वामी, गौतम रबारी और मनीषा को गिरफ्तार कर लिया।

व्यापारी को फंसाने के लिए नया तरीका- रमेशभाई 27 दिसंबर की शाम को हीरे के कारखाने से घर जा रहे थे, तभी एक महिला ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। रमेशभाई को महसूस हुआ कि महिला उनका पीछा कर रही है, तो उन्होंने अपनी गाड़ी रोक दी। इसके बाद महिला ने भी अपनी मॉपेड रोक दी और रमेशभाई की गाड़ी में बैठ गई। गाड़ी में बैठने के बाद महिला ने अपना नाम संगीता बताया और दोनों ने अपने मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान किया। इस तरह महिला ने व्यापारी को अपने जाल में फंसाया।

जब एक महिला ने उसे अपने जाल में फंसाया। महिला ने व्यापारी से कार में बैठकर शारीरिक सुख की पेशकश की और फिर उसे एक कमरे में बुलाया। वहां उसने व्यापारी का नग्न वीडियो बनवाया और बाद में शारीरिक संबंधों की मांग की। इस वीडियो का इस्तेमाल महिला ने व्यापारी को धमकाने के लिए किया और उसे लाखों रुपये का भुगतान करने के लिए मजबूर किया।

कथा के होर्डिंग्स उतारने पर भक्तों की भावना आहत, हाईकमान को शिकायत करूंगा

शाह पब्लिसिटी के लिए कथित तौर पर पास मांगकर ब्लैकमेल कर रहे थे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शिवकथा के कार्यक्रम में निम्न स्तर की राजनीति सामने आई है। स्थायी समिति के अध्यक्ष ने होर्डिंग्स को तारीख घटाकर पिछले प्रस्ताव में सुधार किया, जिसके बाद शाह पब्लिसिटी ने होर्डिंग्स हटाना शुरू कर दिया। ट्रांसपोर्ट कमेटी के चेयरमैन सोमनाथ मराठे ने कथा के होर्डिंग्स लगाने की सिफारिश की थी। अब भक्तों के सामने खुलासा करने की स्थिति में वे फिक्स हो गए हैं, जिससे स्थायी समिति के इस फैसले से उनकी गहरी नाराजगी व्यक्त की गई है। शाह पब्लिसिटी के धार्मिक कार्यक्रमों के विरोधी रुख पर टिप्पणी करते हुए, विरोध प्रदर्शन आयोजित करने और हाईकमान को इस मामले की जानकारी देने की योजना बनाई है।

भक्तों का एक ही सवाल? पूरा कार्यक्रम सफल होने पर किसके पेट में तेल डाला गया? खरवासा क्षेत्र में आयोजित शिवकथा का बहुत बड़ा आयोजन किया गया था, जिसमें देशभर से लाखों भक्त प्रतिदिन कथा सुनने के लिए आ रहे थे। तब आयोजकों के साथ राजनीति जुड़ी हुई थी, और सोमनाथ मराठे की राजनीतिक स्थिति बढ़ती देख भक्त सवाल कर रहे थे कि इस कार्यक्रम को देखकर किसके पेट में तेल डाला जा रहा है, जिसके कारण होर्डिंग्स हटवाने पड़े।

कथा के होर्डिंग्स हटने से भक्तों की भावनाएं आहत हुईं, और वे हाईकमान तक शिकायत करने की योजना बना रहे हैं।

पलिका की ट्रांसपोर्ट समिति के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे ने कहा कि खरवासा में सांईलीला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रसिद्ध कथाकार पं. प्रदीप मिश्रा की शिवकथा का आयोजन किया गया था। पार्टी का अच्छा दिखना और संगठन को मजबूत करना इस आयोजन का उद्देश्य था, और इसलिए लगातार कथा में सक्रिय रहे। जिसके बाद स्थायी समिति द्वारा शहर में 80 होर्डिंग्स लगाने की मंजूरी दी गई थी। लेकिन इस प्रस्ताव को रद्द करने की जानकारी मुझे स्थायी समिति से नहीं दी गई, जो उचित नहीं है। प्रस्ताव रद्द होने के कारण भक्तों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं, और समिति अध्यक्ष के रूप में मेरा भी अपमान हुआ है। आने वाले दिनों में हाईकमान से इस मामले में शिकायत की जाएगी। समिति अध्यक्ष के तौर पर मुझसे कोई गलती हुई हो तो हाईकमान कहेगा, तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। शाह पब्लिसिटीवाले लगातार पास मांगकर हमें ब्लैकमेल कर रहे थे ताकि वे कथा में आगे बैठ सकें। उनके विरोधी रुख के कारण आने वाले दिनों में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

बीजेपी के कॉर्पोरेटर मराठे का आरोप: शाह पब्लिसिटी वाले कथाओं में आगे बैठने के लिए पास मांगकर ब्लैकमेल कर रहे थे।

पं. प्रदीप मिश्रा के होर्डिंग्स को लेकर विवाद। जवाब देने में कठिनाई होने पर सोमनाथ मराठे ने इस्तीफा देने की धमकी दी।

गलत आय दिखाने वाले अभिभावकों के खिलाफ दर्ज होगा मामला

RTE में बच्चों को एडमिशन दिलाने के लिए दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

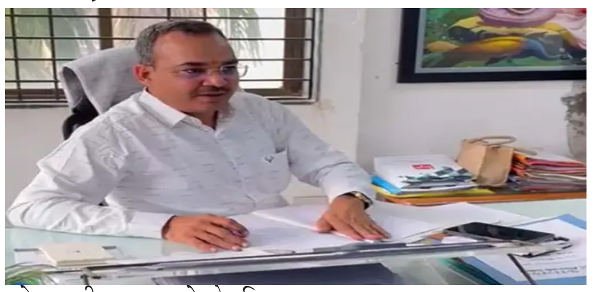

RTE (Right to Education) के तहत बच्चों को एडमिशन दिलाने के लिए कुछ अभिभावकों ने दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ की। इसके चलते 68 छात्रों के नाम के साथ DEO (District Education Officer) ने स्कूलों को एक पत्र भेजा है। इस मामले में अब उन अभिभावकों के खिलाफ आरोप दर्ज किए जाएंगे जिन्होंने गलत आय दिखा कर बच्चों को एडमिशन दिलवाया था। सूरत में कुछ अभिभावकों ने अपने बच्चों को ऋक्ष के तहत प्रवेश दिलाने के लिए दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ की और अपनी आय कम दिखाने की कोशिश की थी। हालांकि, इस चाल का पर्दाफाश जल्दी ही हो गया। अब पहली बार सूरत में RTE के तहत गलत आय दिखाकर प्रवेश प्राप्त करने वाले अभिभावकों के खिलाफ फौजदारी कार्रवाई की जाएगी। सूरत जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से इस संबंध में सभी स्कूलों को आदेश जारी किए गए हैं और प्रत्येक स्कूल को छात्रों के नाम के साथ जानकारी प्रदान करके फौजदारी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। गलत आय और जानकारी देने के बाद ऋक्ष के तहत प्रवेश प्राप्त करने वाले 100 से अधिक छात्रों का प्रवेश रद्द कर दिया गया है। सूरत जिला शिक्षा अधिकारी भगीरथ परमारे ने इन छात्रों को स्कूलों में फीस भरने के लिए निर्देशित किया था। इसके अलावा, इन सभी 100 छात्रों के अभिभावकों को उनकी बात रखने के लिए सुनवाई के लिए बुलाया गया था। अभिभावकों को एक मौका दिया गया था ताकि वे अपनी बात रख सकें।

इतना ही नहीं, स्कूल की तरफ से RTE के तहत एडमिशन प्राप्त करने वाले छात्रों के प्रोफाइल की जांच की गई। इस जांच में यह पाया गया कि अधिकांश अभिभावक करोड़पति हैं और वे लग्ज़री कारों में सफर करते हैं और महंगे मकानों में रहते हैं। इस कारण से जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी एडमिशन रद्द कर दिए और अभिभावकों को सूचित किया कि यदि उनके बच्चों को पढ़ाई करनी है, तो उन्हें स्कूल की फीस भरनी होगी।

RTE के तहत प्रवेश प्राप्त करने के लिए गलत दस्तावेज और जानकारी देने वाले अभिभावकों के खिलाफ अब सूरत में पहली बार फौजदारी कार्रवाई की जा रही है। शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया गया है। 100 में से अब तक 68 छात्रों के अभिभावकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए DEO कार्यालय से परिपत्र जारी किया गया है। बाकी 32 छात्रों के नाम के साथ भी आगामी दिनों में परिपत्र स्कूलों को भेजे जाएंगे।

यह उल्लेखनीय है कि RTE के तहत प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्रों की निजी रूप से स्कूलों द्वारा जांच की गई थी। इस जांच में स्कूल के शिक्षक और स्टाफ सदस्य शामिल थे। इस जांच के दौरान 100 से अधिक ऐसे छात्रों का पता चला, जिनके पास झील के किनारे बंगले, कारखाने, करोड़ों रुपये की संपत्ति और लग्ज़री कारें थीं। कुछ लोगों ने लाखों रुपये का कर्ज लिया और 15 से 20 हजार रुपये की ऋक्ष भरने के प्रमाण भी स्कूलों द्वारा एकत्र किए गए और सूरत जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भेजे गए।

अखिलेश कुमार, उप महानिदेशक, वस्त्र मंत्रालय ने लक्ष्मीपति समूह की प्रोसेसिंग यूनिट का किया दौरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,शनिवार को वस्त्र मंत्रालय के उप महानिदेशक अखिलेश कुमार ने पांडेसरा स्थित लक्ष्मीपति समूह की अत्याधुनिक प्रोसेसिंग यूनिट का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान अखिलेश कुमार ने लक्ष्मीपति समूह के प्रबंध निदेशक संजय सरावगी से मुलाकात की। दोनों ने कपड़ा उद्योग के विभिन्न पहलुओं जैसे नवाचार, स्थिरता, और क्षेत्र के भविष्य की संभावनाओं पर गहन चर्चा की। यह दौरा कपड़ा उद्योग में विकास और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें लक्ष्मीपति समूह कपड़ा प्रसंस्करण और उत्पादन में प्रगति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

दिव्य ज्योत रथयात्रा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री टीडा गेला दादी की रजत जयंती के पावन अवसर पर देश भर में आयोजित हो रही दिव्य ज्योत रथयात्रा का आयोजन बुधवार को सूरत में किया गया। रथ यात्रा का आयोजन शाम तीन बजे से सिटी-लाइट स्थित अनुव्रत द्वार से किया गया। यात्रा में सात सौ से अधिक महिलाएं निशान लेकर रवाना हुई। यात्रा का समापन माहेश्वरी भवन पर किया गया। यात्रा में जीवंत झांकियों के साथ महिलायें माँ का गुणगान करते हुए चल रही थी। आयोजन का समापन आरती के साथ हुआ। ज्ञात रहे की यह रथयात्रा पूरे भारत में यात्रा कर रही है।